केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 164 गुरुवार 4 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हृदयनाथ सिंह के निधन पर शोक

लखनऊ (आभा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं भाजपा के पूर्व क्षेत्रीय संगठन मंत्री हृदयनाथ सिंह का 82 वर्ष की आयु हृदय गति रुकने से निधन लखनऊ के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में हो गया ।

लखनऊ में संघ भवन पर श्रद्धांजलि देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य एवं उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनेक पदाधिकारी कार्यालय पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित किया ।

श्री सिंह बचपन से ही संघ से जुड़े रहे और पोस्ट ग्रेजुएट की शिक्षा पूरी करने के उपरांत आजीवन संघ के प्रति समर्पित भाव से संघ के संगठन के महत्वपूर्ण पदों पर अपने दायित्व को निभाते हुए 1982 में श्री लालकृष्ण आडवाणी जी की रथ यात्रा में पूर्वी उत्तर प्रदेश में संयोजक की भूमिका का निर्वाहन करते हुए बस्ती जनपद में उनका ठहराव हुआ था

हृदय जी का जन्म स्थान जौनपुर जनपद के सुईथाकला खण्ड विकास के अमावा खुर्द गांव में हुआ था परिवार में दो भाई स्व सोमनाथ सिंह एवं रामनाथ सिंह हैं। श्री सिंह को एक पुत्र अजीत सिंह एवं दो पुत्रियां हैं स्वर्गीय सोमनाथ जी को एक पुत्र सुजीत कुमार सिंह एवं चार पुत्रियां हैं सबका सामूहिक परिवार है ।

रोटरी ने किया प्रसूताओं में कम्बल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रोटरी क्लब बस्ती मिडटाउन के द्वारा अध्यक्ष रो0 ई0 देवेंद्र, सचिव रो0 पुनीत पांडेय के संयोजन में देर रात जिला महिला चिकित्सालय बस्ती में प्रसूताओं को कंबल वितरण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 पी0 के0 श्रीवास्तव रहे। उन्होंने रोटरी के इस पुनीत कार्य के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि रोटरी का यह कार्य मां और ममता को दिया गया श्रेष्ठ उपहार है जो मां और नवजात को संबल प्रदान करेगा।

कार्यक्रम संयोजक रो0 मयंक श्रीवास्तव ने बताया कि इस पूरी सर्दी में क्लब के द्वारा विभिन्न चरणों में कंबल वितरण किया जाना है जिसका चयन क्लब के साथियों के बीच तय किया जाएगा।

कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष रो0 सतीश सिंघल, रो0 राम विनय पांडेय, आगामी अध्यक्ष अमितेश श्री ,आशीष श्रीवास्तव, सत्यपाल सिंह टीटू, रो0 डॉ एस के त्रिपाठी, विवेक वर्मा, कुलदीप सिंह, महिला चिकित्सालय से नीरज, गुरमीत सिंह तथा वरिष्ठ समाज सेवी प्रीति श्रीवास्तव सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

आईजीआरएस में बस्ती मण्डल को प्रथम स्थान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनसुनवायी समाधान (आईजीआरएस) के प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण में बस्ती मण्डल को माह दिसम्बर 2023 की रैकिंग में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उक्त जानकारी देते हुए मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने बताया कि आईजीआरएस की पूरी टीम के अथक प्रयास से मण्डल का प्रदेश में प्रथम स्थान मिला है। उन्होने टीम को बधाई देते हुए कहा है कि आईजीआरएस प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु टीम भावना से कार्य करना चाहिए।

श्रमजीवी विस्फोट कांड में दो आतंकवादियों को फांसी की सजा

जौनपुर (आभा)।श्रमजीवी एक्सप्रेस बम विस्फोट में दोषी आतंकी हेलाल और नफीकुल विश्वास को फांसी की सजा सुनाई गई है साथ ही पांच–पांच लाख रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। मंगलवार को अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम राजेश कुमार राय के न्यायालय में सजा के निर्धारण पर सुनवाई पूरी हो गई। बता दें कि राजगीर बिहार से चलकर नई दिल्ली जाने वाली श्रमजीवी एक्सप्रेस के जनरल बोगी में 28 जुलाई 2005 की शाम 5.20 बजे सिंगरामऊ व हरिहरपुर स्टेशन के बीच हरपालगंज क्रासिंग पर आतंकवादियों ने बम विस्फोट किया था। विस्फोट में 14 लोगों की मौत और 62 लोग घायल हुए थे।

यह है मामला

28 जुलाई 2005 को सिंगरामऊ के हरपालगंज हरिहरपुर के पास श्रमजीवी एक्सप्रेस में आतंकियों द्वारा किए गए बम विस्फोट में 12 लोग मरे थे व करीब 62 लोग गंभीर घायल हुए थे। मामले में ट्रेन में बम रखने वाले बांग्लादेशी आतंकी रोनी उर्फ आलमगीर एवं षड्यंत्र करने वाले आतंकी ओबैदुर्रहमान को वर्ष 2016 में अपर सत्र न्यायाधीश बुद्धि राम यादव की अदालत में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई थी। दोनों ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की है जो विचाराधीन है।

शेष दोनों आरोपी बांग्लादेश निवासी हिलालुद्दीन व पश्चिम बंगाल के नफीकुल को दोषी करार दिया गया। सजा के लिए दो जनवरी 2024 की तिथि मुकर्रर की गई थी, लेकिन इस तिथि पर कोर्ट में दंड के प्रश्न पर सुनवाई करते हुए सजा की तिथि बुधवार यानी आज नियत की गई। इस मामले में वर्ष 2016 में दो आतंकियों को फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। हालांकि दोनों ने हाईकोर्ट में अपील की है, जो विचाराधीन है।

22 दिसंबर 2023 को अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम राजेश कुमार राय की अदालत ने ट्रेन में बम रखने के आरोपित बांग्लादेश निवासी हिलाल उर्फ हिलालुद्दीन व विस्फोट में सहयोग के आरोपित नफीकुल विश्वास निवासी बंगाल को हत्या, हत्या के प्रयास विस्फोटक अधिनियम एवं अन्य धाराओं में दोषी करार दिया था। इसके बाद दो जनवरी 2024 को सजा सुनाने की तिथि तय की गई थी।

ईरान में भीषण विस्फोट से 73 लोगों की मौत, 170 घायल

नई दिल्ली (आभा)। ईरान के करमान शहर में एक कब्रिस्तान के पास भीषण धमाका हुआ है। इस धमाके में 73 लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस कब्रिस्तान में कमांडर कासिम सुलेमानी को दफनाया गया है। खबरों में बताया गया कि करमान शहर में एक कब्रिस्तान के पास जहां मारे गए कमांडर कासिम सुलेमानी को दफनाया गया है, कम से कम दो विस्फोटों के बाद कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है। बुधवार को ईरान में उनकी मौत की चौथी बरसी मनाई जा रही थी। ईरान के सरकारी मीडिया ने कब्रिस्तान के पास करमान शहर में दो विस्फोटों की सूचना दी है।

ईरान के सरकारी टेलीविजन ने दक्षिण–पूर्वी शहर करमान में समारोह के दौरान पहले और फिर दूसरे विस्फोट की सूचना देते हुए कहा कि कम से कम 73 लोग मारे गए हैं। यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। सरकारी मीडिया ने करमान प्रांत के एक स्थानीय अधिकारी के हवाले से कहा, 'विस्फोट आतंकवादी हमलों के कारण हुए।' इससे पहले एक न्यूज चैनल ने पहले कहा था कि 'कब्रिस्तान की ओर जाने वाली सड़क पर कई गैस कनस्तरों में विस्फोट हुआ'। सुलेमानी की मौत की बरसी मनाने के लिए एक समारोह के लिए इस इलाके में भीड़ जमा हुई थी। सुलेमानी, जो दो दशकों से अधिक समय तक इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की विदेशी ऑपरेशन शाखा, कुद्स फोर्स का नेतृत्व करते थे। उनकी जनवरी 2020 में इराक में अमेरिकी ड्रोन हमले में मौत हो गई थी। स्टेट टीवी ने रेड क्रिसेंट बचावकर्मियों को समारोह में घायल लोगों की देखभाल करते हुए दिखाया, जहां सैकड़ों ईरानी सुलेमानी की मौत की सालगिरह मनाने के लिए एकत्र हुए थे। कुछ ईरानी समाचार एजेंसियों ने कहा कि 173 लोग घायल हुए हैं।

पूर्व विधायक राजा लक्ष्मेश्वर सिंह की स्मृति में आयोजन 14 से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को राजा ऐश्वर्य राज सिंह और राजमाता आशिमा सिंह द्वारा राजभवन में बैठक कर आगामी 14 जनवरी से पूर्व विधायक राजा लक्ष्मेश्वर सिंह की स्मृति में आयोजित होने वाले सप्ताह भर के कार्यक्रमों की रूप रेखा पर विचार किया गया।

तैयारी बैठक में राजमाता आशिमा सिंह ने बताया कि 14 जनवरी को राजभवन परिसर स्थित मंदिर में रूद्राभिषेक, 15 को गऊ पूजन, खिचड़ी, 16 को विद्यार्थियों के लिये चित्र बनाओ और श्रीराम चरित मानस पर आधारित प्रश्नोत्तरी, 21 जनवरी को श्रीराम चरित मानस अखण्ड पाठ, 22 जनवरी को हवन, भण्डारा के साथ पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

बैठक में मुख्य रूप से पंकज कुमार सोनी, अतुल सोनी, विनय कुमार, श्री ओम मिश्रा, राजेश कुमार सिंह, राय अंकुरम श्रीवास्तव, अनुराग श्रीवास्तव, अमर सोनी, गरुड ध्वज पांडे, राजेश कुमार मिश्रा, अमित कुमार पांडे, मयंक श्रीवास्तव, गीतांजलि, ममता सिंह, नीलम श्रीवास्तव, प्रतिभा सिंह, संध्या दिक्षित, मुन्नी सिंह, सरिता शुक्ला, चंद्रभूषण सिंह, राधेश्याम चौधरी, लक्ष्मी अरोड़ा, अर्चना श्रीवास्तव, सरिता श्रीवास्तव, वशिष्ठ गोयल, छोटेलाल, डॉ संगीता यादव, चंदा मातन हेलिया, आदि उपस्थित रहे।

ठंड के बीच बारिस के आसार

लखनऊ (आभा)। यूपी में एक तरफ भीषण ठंड पड़ रही है। दूसरी तरफ मौसम विभाग ने बारिश की भविष्यवाणी की है। अगले तीन दिनों तक बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार तीन जनवरी से शुक्रवार पांच जनवरी के बीच उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर बारिश होने या गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं। राज्य में इन तीन दिनों के दरम्यान एक या दो स्थानों पर बहुत घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी भी जारी की गई है। प्रदेश में एक या दो स्थानों पर धूप नहीं निकलेगी यानि कोल्ड डे रहेगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर पूर्व बिहार के ऊपर एक चक्रवातीय दबाव बना हुआ है। इसी तरह का एक दबाव हरियाणा और आसपास भी केन्द्रित है।

नाबालिग को दिया स्कूटी, कार तो जायेंगे जेल

लखनऊ (आभा)। यदि आप भी अपने घर के नाबालिग बच्चों को बाइक, स्कूटर, कार चलाने या कहीं आने–जाने को दे देते हों तो ऐसा करना बंद कर दें। यूपी में गाड़ी मालिक को जेल भेजने वाला कानून अब सख्ती से लागू होने जा रहा है। यदि इस कानून का उल्लंघन करते पकड़े गए तो भारी जुर्माना चुकाने के साथ–साथ जेल जाने की भी नौबत आ सकती है। यूपी सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के इरादे से मोटर व्हीकल एक्ट (एमवी एक्ट) को कड़ाई से लागू करने का फैसला किया है। यूपी के सभी आरटीओ, एआरटीओ, आरएम और एआरएम के साथ इसके लिए पुलिस की भी जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की गई है। प्रदेश के परिवहन आयुक्त द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि यूपी की सीमा के अंदर 18 साल के कम उम्र के किशोर–किशोरी को किसी भी हाल में वाहन चलाने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। इसके लिए पुलिस के साथ ही सभी परिवहन अधिकारी अपने–अपने क्षेत्र में यह सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र में कोई नाबालिग किशोर–किशोरी वाहन न चलाए। यदि कोई ऐसा करता हुआ मिलता है तो जिसके नाम पर गाड़ी होगी उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

सावित्रीबाई फुले को किया नमन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। बुद्धवार को आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय देवमी में देश की प्रथम महिला शिक्षिका व समाज सेविका सावित्री बाई फूले का जन्मदिन ग्राम प्रधान राजेंद्र प्रसाद चौधरी व शिक्षक मोहम्मद इकबाल और प्रबंध समिति अध्यक्ष रंजना देवी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण कर विद्यालय में मनाया गया ।विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहम्मद इकबाल ने कहा कि सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को हुआ था। इनके पिता का नाम खादों जी नैवेसे और माता का नाम लक्ष्मी बाई था। इनका विवाह 1841 में ज्योतिबा राव फुले से हुआ था। सावित्रीबाई फुले एक महाराष्ट्रीयन कवियित्री समाज सुधारक और देश की पहली शिक्षिका थी। उन्हें भारत के नारीवादी आंदोलन की अग्रणी माना जाता है। उन्हें जात–पात और लिंग के आधार पर लोगों के साथ भेदभाव और अनुचित व्यवहार को खत्म करने का प्रयास किया। वह और उनके पति भारत में महिला शिक्षा के अग्रदूत थे। उन्होंने बाल विवाह तथा विधवा विवाह निषेध जैसी कुरीतियों के विरुद्ध आजीवन लड़ाई लड़ी।

इस अवसर पर प्रबंध समिति के सदस्य और अभिभावक छात्र छात्राएं मौजूद रहे ।और बच्चों द्वारा निबंध प्रतियोगिता कराई गई तथा अभिषेक गुप्ता प्रथम एवं अर्पणा द्वितीय स्नेहा गायत्री संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रही बच्चों को प्रधानाध्यापक द्वारा पुरस्कृत किया गया ।

अनुदेशकों ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परिषदीय अनुदेशक कल्याण एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में बुधवार को एक प्रतिनिधि मंडल ने खण्ड शिक्षा अधिकारी रामनगर नीरज सिंह को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से प्रतिनिधि मंडल ने खण्ड शिक्षा अधिकारी से मानदेय बिल को हर महीने 1 तारीख को जिला पर भेजने तथा शीतकालीन अवकाश के 15 दिन का मानदेय देने की बात कही। खण्ड शिक्षा अधिकारी नीरज सिंह ने कहा कि हमारे स्तर से किसी भी अनुदेशक को कोई समस्या नहीं होने पाएगी उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन देते हुए कहा कि जहां तक शीतकालीन अवकाश का मामला है वह शासन स्तर का है बाकी मानदेय बिल हर महीने समय से जिले पर भेज दिया जाएगा। अनुदेशकों द्वारा खण्ड शिक्षा अधिकारी को अंग वस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर जिला मंत्री रमाकांत चौधरी, कोषाध्यक्ष गौतम कुमार आदि मौजूद रहे।

सुभासपा पिछड़ा मोर्चा की बैठक में सांगठनिक मजबूती पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को सुभासपा पिछड़ा मोर्चा की प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक जिला पंचायत सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय सचिव विनोद राजभर ने सांगठनिक मजबूती पर जोर दिया। कहा कि लोकसभा चुनाव अब दूर नहीं है। कार्यकर्ता बूथ स्तर पर अपनी तैयारियां तेज करने के साथ ही लोगों से सीधा संवाद बनायें। पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डा. संजय चौहान ने कहा कि सुभासपा पिछड़ों को उनका हक दिलाने के लिये लगातार संघर्ष कर रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व में हमें हर स्तर पर एकजुट होना होगा तभी गरीबों, पिछड़ों को सामाजिक न्याय और राजनीतिक अधिकार हासिल हो सकेंगे।

विधायक दूधराम और पूर्व मंत्री रामललित चौधरी ने समीक्षा बैठक में कहा कि सुभासपा लगातार आगे बढ़ रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व में हम प्रदेश स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ानी होंगी जिससे गठबंधन में सुभासपा को समुचित सीटें मिलें और पार्टी निर्णायक विजेता बनकर उभरे।

समीक्षा बैठक में सुनील कुमार पाण्डेय, वृजभूषण मिश्र, मनोज राजभर, प्रमोद चौधरी, आर.पी. चौहान, शंभू चौहान आदि ने संगठन की मजबूती के लिये महत्वपूर्ण सुझाव दिया। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। मुख्य रूप से सत्या चौहान, बरखू चौहान, बरसाती चौहान, राम प्यारे चौहान, डा. कमलेश चौहान, राम सहाय राजभर, दीपक चौरसिया, जगदेव मौर्य, ठाकुरराम, महेन्द्र निषाद, विजय चौहान, गुज्जीलाल चौहान, अमन राजभर, अरविन्द उपाध्याय, वीरेन्द्र मिश्र, रमेश वर्मा, सूरज कुमार चौहान, अमन चौहान, मोती चौहान, राम किशुन राजभर, प्रमोद विश्वकर्मा, सोनू चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

जयन्ती पर प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के योगदान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। कबीर साहित्य सेवा संस्थान के अध्यक्ष मो. सामईन फारुकी द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि भारत में शिक्षा पाना सभी का अधिकार है लेकिन समाज में कई समुदाय इससे लंबे समय तक दूर रहे हैं. उन्हें शिक्षा का अधिकार पाने के लिए लंबा लड़ाई लड़नी पड़ी है। खासतौर पर लड़कियों को शिक्षा पाने के लिए अपनों का ही विरोध झेलना पड़ा है। देश की पहली महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले ने पहले खुद लंबी लड़ाई लड़कर पढ़ाई की और उसके बाद दूसरी लड़कियों को पढ़ने में मदद की. सावित्री बाई फुले के बिना देश की शिक्षा और सामाजिक उत्थान की बात अधूरी है। उनके जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर शिक्षा क्षेत्र में योगदान सुनिश्चित करना होगा।

अध्यक्षता करते हुये बटुकनाथ शुक्ल ने कहा कि सावित्रीबाई फुले जब लड़कियों को पढ़ाने स्कूल जाती थी तो पुणे में स्त्री शिक्षा के विरोधी उन पर गोबर फेंक देते थे, पत्थर मारते थे. वे हर दिन बैग में एक्स्ट्रा साड़ी लेकर जाती थी और स्कूल पहुंचकर अपनी साड़ी बदल लेती थीं। सावित्रीबाई ने उस दौर में लड़कियों के लिए स्कूल खोला जब बालिकाओं को पढ़ाना–लिखाना सही नहीं माना जाता था. सावित्रीबाई फुले एक कवियत्री भी थीं, उन्हें मराठी की आदिकवियत्री के रूप में भी जाना जाता है। बालिका शिक्षा के लिये उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' बी.के. मिश्र, पं. चन्द्रबली मिश्र, पेशकार मिश्र, गिरीश मिश्र आदि ने कहा कि सावित्रीबाई फुले आज भी प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणादायी हैं। नयी पीढी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिये।मुख्य रूप से गणेश मौर्य, गिरीश मिश्र, रामलखन मौर्य, नीरज कुमार वर्मा, दीनानाथ यादव, प्रदीप चौधरी, चन्द्रमोहनलाल श्रीवास्तव के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन के कार्यो की होगी जांच

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जल जीवन मिशन के अन्तर्गत पूर्ण कार्यो की जॉच अगले दो सप्ताह में कराने के लिए जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने निर्देश दिया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि इसके लिए जिला स्तरीय अधिकारियों की समिति गठित करायें, जिसमें एक अभियन्ता भी हो। उल्लेखनीय है कि जनपद में 1185 के सापेक्ष 783 ट्यूबेल, 550 पम्पहाउस का निर्माण हो गया है तथा 5777 किमी. पाईपलाईन बिछायी जा चुकी है।

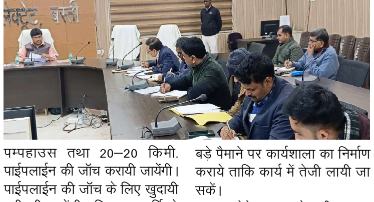

उन्होने निर्देश दिया कि प्रत्येक ब्लाक में 10–10 ट्यूबेल, 20–20 पम्पहाउस तथा 20–20 किमी. पाईपलाईन की जॉच करायी जायेंगी। पाईपलाईन की जॉच के लिए खुदायी नही की जायेंगी बल्कि जलापूर्ति के आधार पर सत्यापन किया जायेंगा। उन्होने निर्देश दिया है कि पोर्टल पर फोटो भी अपलोड करायी जाय। उन्होने निर्देश दिया कि ओवर हेडटैंक बनाने के लिए सभी कार्यदायी संस्थाए बड़े पैमाने पर कार्यशाला का निर्माण कराये ताकि कार्य में तेजी लायी जा सकें।

उन्होने जनपद के सभी राजस्व गॉव में हर घर जल योजना की गतिविधियों का अनुश्रवण एवं मूल्यांकन, गॉव में कार्यशाला आयोजित करने, जलजनित बीमारियों से बचाव के लिए ग्राम पंचायतों में कार्यशाला आयोजित करने एवं अन्य गतिविधियों के संचालन के लिए चयनित एजेन्सी के माध्यम से कार्य कराने का निर्देश दिया है। कार्यशाला में जल की जॉच, एफएचटीसी से संबंधित मरम्मत एवं रोजगार सृजन संबंधी जानकारी प्रदान की जायेंगी।

बैठक का संचालन अधिशासी अभियन्ता जनार्दन सिंह ने किया। इसमें डीडीओ संजय शर्मा, अधिशासी अभियन्ता जलनिगम (ग्रामीण) योगेन्द्र प्रसाद, सरयू नहर खण्ड–4 राकेश कुमार गौतम, कृषि अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी, जिला समन्वयक सुनील कुमार, कार्यदायी संस्था मेघा जेक्शन वीएसए के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 जनवरी 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

2024 की चुनौतियां

भारत ने नई आशाओं और नई चुनौतियों के साथ वर्ष 2024 में प्रवेश किया है। राजनीतिक दृष्टि से इस वर्ष देश में विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक कवायद आम चुनाव होंगे। यह इस बात का प्रमाण है कि लोकतंत्र देश की रग–रग में बस गया है, जहां पर आठ दशक पूर्व केवल एक चौथाई लोग मतदान के लिए पात्र थे और साक्षरता का स्तर दोहरे अंक में भी नहीं था। यह हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों का एक प्रमाण है। राजनीतिक दृष्टि से यदि मोदी लगातार तीसरी बार 5 वर्ष के लिए प्रधानमंत्री बनते हैं तो वे कांग्रेस के नेहरू के बाद पहले ऐसे नेता होंगे। नमो ने 550 वर्ष की विरासत को विकास, आधुनिकता और परंपरा के साथ जोड़ा है, जहां पर विकसित भारत को नई आस्था और डिजिटल इंडिया के सम्मिश्रण से एक नई ऊर्जा मिलती है और इसका सम्मिश्रण नई अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर देखने को मिलेगा।

प्रश्न उठता है क्या विपक्ष द्वारा एकजुट मोर्चा बनाने से भाजपा का विजयी रथ रुकेगा? क्या कांग्रेस के राहुल और टी.एम.सी., राकांपा, जद (यू), राजद के क्षेत्रीय क्षत्रप अपने मतभेदों को भुलाएंगे? क्या वे भाजपा द्वारा नई नागरिकता को मंडल अर्थात जातीय जनगणना के आधार पर चुनौती दे पाएंगे और इस बात को रेखांकित करेंगे कि सामाजिक न्याय का एजेंडा पूरा नहीं हुआ। क्या वे सीटों के बंटवारे पर समझौता कर पाएंगे? चुनौती यह है कि भाजपा ने अपने मुख्य संदेश को और प्रखर बनाया और अपनी अपील बढ़ाई है। वर्तमान में मंदिर और मंडल का कोई टकराव नहीं है, अपितु दोनों सहयोगी हैं। निश्चित रूप से अधूरा सामाजिक एजेंडा उसके विरुद्ध एक रणनीति हो सकती है,किंतु क्या कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन उस दृष्टिकोण को पूरा करने के विश्वसनीय वाहक हैं और क्या उनमें ऐसा करने की क्षमता है?

संसद के शीतकालीन सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास खुलेआम देखने को मिला। इस सत्र के दौरान सरकार के लिए विपक्ष के 146 सांसदों को निलंबित किया गया जो यह बताता है कि किस तरह विधायिका को ठप्प किया जा रहा है। संसद में लगातार गतिरोध है और एक–दूसरे पर बढ़त दिखाने के लिए हमेशा शोर–शराबा होता है और ये लोग अक्सर भूल जाते हैं कि संसद हमारे लोकतंत्र का पवित्र प्रतीक है। दोनों सदनों का सुचारू कार्यकरण सुनिश्चित करना सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है। संसदीय लोकतंत्र चुनावों से शुरू होकर चुनावों पर खत्म नहीं होता। यह एक सतत प्रक्रिया है, जहां पर विपक्ष अपनी बात कहता है और सरकार अपने अनुसार कार्य करती है। मतदाता संसद से प्रेरणा लेते हैं। जो सदन वार्ता, विमत और वाद–विवाद के स्वस्थ वातावरण में कार्य करता है, वह लोगों को सकारात्मक संदेश देता है।

इसके अलावा राजनीतिक ध्रुवीकरण, बहुपक्षीयता और विभिन्न पहचानों के युग में हम अधिक जातिवादी और सांप्रदायिक हो रहे हैं, जिसके चलते देश पर असहिष्णुता और अपराधीकरण का प्रहार बढ़ता जा रहा है। आम आदमी रोटी, कपड़ा और मकान के लिए संघर्ष कर रहा है और उसका आक्रोश बढ़ता जा रहा है और जनता सरकार से उत्तर चाहती है। आज जनता हमारे नए महाराजाओं से खिन्न है क्योंकि वे ओरवेलियन सिंड्रोम से ग्रस्त हैं जिसके चलते वे हमेशा और अधिक मांगें करते रहते हैं।

दुखद तथ्य यह है कि किसी के पास भी व्यवस्था से आम आदमी की निराशा का निराकरण करने के लिए समय नहीं है, जिसके चलते लोगों में आक्रोश पैदा हो रहा है। किसी भी मोहल्ले, जिले या राज्य में चले जाओ, कहानी एक जैसी है, जिसके चलते अधिक लोग कानून अपने हाथ में ले रहे हैं और दंगों और लूट–खसूट की स्थिति बन रही है। देश की राजधानी दिल्ली में अपराध और हत्याएं बढ़ रही हैं। व्यवस्था इतनी रुग्ण हो गई है कि महिलाओं के साथ सहयात्रियों के बीच भीड़भाड़ भरी रेलगाडियों में बलात्कार होता है और सहयात्री मूकदर्शक बने रहते हैं और कई बार ऐसा लगता है कि हमारा देश अंधेर नगरी बन गया है। महिलाओं का यौन उत्पीडन और उन पर हमले हमारी सामूहिक चेतना को नहीं जगाते।

भारत को इस नव वर्ष में एक अस्थिर विश्व का सामना करना पड़ेगा क्योंकि यूक्रेन युद्ध और गाजा युद्ध और तेज हो सकता है। आज हिंसा के सबसे शक्तिशाली औजार राज्य और गैर–राज्य कारकों के पास उपलब्ध हैं, जिसके चलते अनियंत्रित हिंसा बढ़ रही है और इस हिंसा में प्रौद्योगिकी प्रगति का उपयोग किया जा रहा है, जिसके चलते कई बार सरकारें भी भौंचक्की रह जाती हैं। घरेलू मोर्चे पर सरकार को इस बात पर ध्यान देना होगा कि किस तरह जम्मू–कश्मीर और मणिपुर में सुरक्षा चुनौतियों का निराकरण किया जाता है और पुंछ जिले में सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला, नक्सली हिंसा और मणिपुर में उपद्रव से आक्रोशित जनता को किस तरह शांत किया जाएगा।

स्पष्ट है केन्द्र सरकार को इन स्थितियों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करना होगा ताकि हमारे बहुलतावादी समाज का ध्रुवीकरण और भारतीय राज्य के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा न हो। विदेश नीति के मोर्चे पर भारत के चीन और पाकिस्तान के साथ संबंधों में सुधार नहीं हुआ और इस संबंध में हमें दृढ़ता से अपना दृष्टिकोण रखना होगा। पूर्वी लद्दाख में जारी गतिरोध को लेकर 22 महीने से सैनिक और कूटनयिक वार्ता के बावजूद चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपना दावा करता रहता है। पाकिस्तान और बंगलादेश में चुनाव दक्षिण एशिया में अस्थिरता का कारण बन सकते हैं, इसलिए भारत को इन दोनों देशों में राजनीतिक स्थिति पर नजर रखनी होगी।

यह आज का विरोधाभास है कि जब हमारी चुनौतियां और खतरे वैश्विक बन गए हैं, तो हमारा दृष्टिकोण संकीर्ण होकर राष्ट्रीय बन गया है। शासन के सशक्त संस्थानों के माध्यम से इन चुनौतियों का सहयोग के साथ सामना करने का कोई विकल्प नहीं है। नए वर्ष में प्रवेश के साथ हमारे नेताओं को सजग रहना होगा। उन्हें जिम्मेदारी लेनी होगी, अपने तौर–तरीकों में बदलाव करना होगा और शासन के मुद्दों का गंभीरता से निराकरण करना होगा। उन्हें समझना होगा कि भारत की लोकतांत्रिक शक्ति का मूल कारण उसके आम आदमियों का धैर्य है।

हमारे नीति–निर्माताओं को लोगों के जीवन में सुधार के लिए दोगुने प्रयास करने होंगे क्योंकि जनता रोजगार, पारदर्शिता और जवाबदेही चाहती है, जिसके अंतर्गत लोक स्वास्थ्य में सुधार और शिक्षा में आई खामियों को दूर किया जाए। मोदी या 'इंडिया' गठबंधन में से कौन जीतता है या कौन हारता है, इसके बावजूद हमारे नेताओं को सजग रहना होगा और दृढ निश्चय के साथ एक नए भारत के निर्माण के लिए तैयार रहना होगा क्योंकि इस देश का निर्माण बहुलतावादी समाज ने किया है, जहां विभिन्न समुदाय रहते हैं और यही हमारे राष्ट्र का जीवन है। हमारे शासकों को इस बात पर ध्यान केन्द्रित करना होगा कि वे वर्ष 2024 को एक अच्छा वर्ष बनाएं। उन्हें बुनियादी चीजों पर कार्य करना होगा, देश में एक सुरक्षित वातावरण का निर्माण करना होगा।

लोकसभा चुनाव और भाजपा की नयी रणनीति

–नीरज कुमार दुबे–

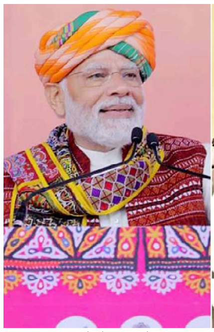

भाजपा ने लोकसभा चुनावों में प्रत्येक सीट पर 50 प्रतिशत से ज्यादा मत हासिल करने के लिए अपने संगठन के तंत्र को दुरुस्त करने के बाद उम्मीदवारों के तौर पर ऐसी फौज उतारने का निर्णय लिया है जिसके आगे नामांकन भरते हुए विपक्ष के नेताओं को हार का भय पहले दिन से सताने लगे।

केंद्र में लगातार तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के मिशन को कामयाब करने के लिए भाजपा जीतोड़ प्रयास कर रही है। चुनाव प्रचार अभियान को अंतिम रूप देने के अलावा पार्टी के तमाम नेताओं की भूमिका भी तय की जा चुकी है। जहां तक लोकसभा चुनावों के लिए प्रत्याशियों के चयन की बात है तो यह काम भाजपा बहुत पहले ही शुरू कर चुकी थी और अब यह कार्य अपने अंतिम चरण में पहुँच चुका है। पार्टी उम्मीदवारों की पहली सूची जल्द जारी होने की अटकलों के बीच चर्चाएं यह भी हैं कि इस बार भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी अपना पहला लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। हम आपको याद दिला दें कि अमित शाह ने भी 2019 में भाजपा अध्यक्ष पद पर रहते हुए अपना पहला लोकसभा चुनाव गुजरात के गांधीनगर से लड़ा था।

भाजपा ने लोकसभा चुनावों में प्रत्येक सीट पर 50 प्रतिशत से ज्यादा मत हासिल करने के लिए अपने संगठन के तंत्र को दुरुस्त करने के बाद उम्मीदवारों के तौर पर ऐसी फौज उतारने का निर्णय लिया है जिसके आगे नामांकन भरते हुए विपक्ष के नेताओं को हार का भय पहले दिन से सताने लगे। इसके लिए भाजपा उम्मीदवारों के चयन के लिए कड़े और बड़े पैमाने तय करके आगे बढ़ रही है। हाल ही में भाजपा की ओर से अपने सांसदों के बारे में जनता की राय जानने के लिए नमो एप पर एक सर्वे भी शुरू किया गया था जिस पर लोगों ने जो फीडबैक दिया उसको पार्टी ने काफी गंभीरता के साथ लिया है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि हाल में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के दौरान देखने को मिला था कि पार्टी ने कई सांसदों को विधायकी का चुनाव लड़ाया और यह फॉर्मूला काफी सफल साबित हुआ था। यही नहीं, भाजपा हाल में कई चुनावों में बड़ी संख्या में उम्मीदवारों को बदल कर नये चेहरों को मौका देने का सफल प्रयोग भी कर चुकी है इसीलिए माना जा रहा है कि लोकसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन में भी भाजपा हाल के अनुभवों को देखते हुए निर्णय लेगी।

उल्लेखनीय है कि भाजपा आलाकमान ने साल 2023 के अंत में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में अपने चुनावी अभियान को अंतिम रूप दे दिया था और अब नये साल पर पार्टी मुख्यालय में वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक में उम्मीदवार चयन से जुड़े मुद्दों पर गौर किया गया। बताया जा रहा है कि इस बैठक में एक कमेटी का भी गठन किया गया जोकि असंतुष्ट नेताओं से संपर्क कर उन्हें मनाने का काम करेगी साथ ही कमेटी यह भी देखेगी कि चुनावों के दौरान दूसरे दलों से आने वाले किन लोगों को भाजपा में शामिल कराना है और किन्हें नहीं। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में अन्य दलों के कई कद्दावर नेता और समाज के विभिन्न क्षेत्रों की मशहूर हस्तियां भाजपा में शामिल होने वाली हैं।

जहां तक लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के उम्मीदवारों की बात है तो बताया जा रहा है कि पहली सूची जल्द ही जारी हो सकती है। पहले माना जा रहा था कि यह सूची मकर संक्रांति के बाद आयेगी क्योंकि अभी खरवास चल रहा है जिसमें शुभ काम नहीं किये जाते लेकिन अब माना जा रहा है कि यह सूची पहले भी आ सकती है। दरअसल भाजपा ने पिछले साल पहली बार पितृपक्ष के दौरान ही मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के उम्मीदवारों की एक सूची जारी कर दी थी जिसको लेकर सवाल उठे थे कि शुभ मुहूर्त और शुभ–अशुभ का खास ध्यान रखने वाली भाजपा ने आखिर पितृपक्ष में कैसे अपनी सूची जारी कर दी? लेकिन समय से पहले उम्मीदवारों की घोषणा करना पार्टी के पक्ष में गया इसीलिए माना जा रहा है कि जिन सीटों पर भाजपा को पिछले चुनावों में जीत नहीं मिली थी या जहां भाजपा का अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा था वहां के उम्मीदवारों की सूची शीघ्र ही सामने आ सकती है ताकि उम्मीदवारों को प्रचार के लिए अच्छा खासा समय मिल सके। साथ ही एक ओर जहां अन्य दल अभी सीटों के बंटवारे पर चर्चा ही नहीं शुरू कर पाये हैं वहीं भाजपा अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करके विपक्ष पर मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल कर लेना चाहती है।

बताया जा रहा है कि भाजपा ने इस बार बड़ी संख्या में अपने राज्यसभा सांसदों को भी लोकसभा चुनाव लड़ाने का फैसला किया है ताकि संसद के ऊपरी सदन में लंबे समय से जमे चेहरों की जगह नये चेहरों को मौका दिया जा सके। इसके लिए तय किया गया है कि भाजपा शासित राज्यों के चुनिंदा राज्यसभा सांसदों को लोकसभा चुनाव लड़ाया जायेगा। भाजपा शासित राज्यों का चयन इसलिए किया गया है ताकि सीट छोड़ने वाले व्यक्ति की जगह आसानी से पार्टी का दूसरा उम्मीदवार राज्यसभा पहुँच सके। इसके अलावा उन राज्यसभा सांसदों को भी चुनाव लड़ने के लिए कहा जा रहा है जिनका कार्यकाल हाल ही में खत्म हुआ या जल्द ही खत्म होने वाला है। यह भी बताया जा रहा है कि कुछ राज्यसभा सांसदों ने खुद भी पार्टी से आग्रह किया है कि उन्हें लोकसभा चुनाव लड़ने का अवसर दिया जाये।

भाजपा के राज्यसभा सांसदों में महाराष्ट्र से प्रकाश जावड़ेकर, पीयूष गोयल और नारायण राणे, ओडिशा से धर्मेंद प्रधान, गुजरात से मनसुख मांडविया, हिमाचल प्रदेश से भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, उत्तर प्रदेश से दर्शन सिंह, अनिल जैन, डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, डॉ. दिनेश शर्मा, कांता कर्दम, नीरज शेखर और सुरेंद्र सिंह नागर, छत्तीसगढ़ से सरोज पांडेय, केरल से वी. मुरलीधरन, बिहार से राकेश सिन्हा और सुशील कुमार मोदी, जम्मू–कश्मीर से गुलाम अली, राजस्थान से अश्विनी वैष्णव, असम से भुवनेश्वर कालिता, सर्बानंद सोनोवाल, मध्य प्रदेश से ज्योतिदारित्य सिंधिया और सुमेर सिहं सोलंकी और त्रिपुरा से बिप्लब कुमार देब का नाम लोकसभा चुनावों के संभावित उम्मीदवारों की सूची में बताया जा रहा है। इसके अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी और पूर्व सांसद सैयद जफर इस्लाम का नाम भी लोकसभा के संभावित उम्मीदवारों में बताया जा रहा है। इसके अलावा यह भी चर्चा है कि महाराष्ट्र में इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए कुछ विधायकों को भी लोकसभा चुनाव लड़ने का अवसर दिया जा सकता है। एक उपराज्यपाल का भी लोकसभा चुनाव लड़ना तय बताया जा रहा है।

बहरहाल, आधिकारिक रूप से सूची जारी होने तक अभी कई संभावित नामों की सूची मीडिया में चलती रहेगी। लेकिन एक बात पक्की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी यह तय कर चुकी है कि किसी सांसद के साथ स्थानीय स्तर पर उपजी नाराजगी का असर पार्टी के चुनावी प्रदर्शन पर नहीं पड़ने देना है। इसलिए भाजपा के उम्मीदवारों की सूची निश्चित रूप से सबको चौंकाने वाली ही होगी।

मुफ्त की रेवड़ियों के वादे और जन–आकांक्षा

–सुबीर रॉय–

अब जबकि अगले साल आम चुनाव होने को हैं तो हम राजनीतिक मंतव्य से प्रेरित आर्थिक नीतियां देखने को तैयार रहें, यहां तक कि सामान्य से कहीं अलहदा। सरकार ने पहले ही संकेत दे दिया है कि आगामी केंद्रीय बजट में कुछ नया शामिल करने का इरादा नहीं है। लिहाजा जो भी सरकार सत्ता में आएगी, उसकी नई नीतियां बनने तक मौजूदा यथास्थिति बनी रहेगी।

एक बार नई सरकार अपनी जगह बैठ गई तो ध्यान का केंद्र चुनाव प्रचार अवधि के दौरान मुफ्त की रेवड़ियों के वादे की एवज में जन–आकांक्षाओं को पहुंचे नुकसान की भरपाई करने पर होगा। इसलिए, जायजा लिया जाए तो चुनाव उपरांत ही वित्तीय लेखा–जोखा दुरुस्त करके, उत्तरदायी सामान्य प्रशासन बनाकर, आर्थिक नीतियों को स्वरूप मिल पाएगा। अतएव, अप्रैल माह तक माहौल मौज–मस्ती का रहेगा और जून के बाद 'गंभीरता से काम पर पुनः लगने' वाला चरण शुरू होगा।

जैसे–जैसे नया साल आगे बढ़ेगा, यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई जारी रहने और इससे वैश्विक व्यापार में आगे भी अस्थिरता बनी रहेगी। हालांकि, उम्मीद जगाती खबरों की मानें तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अब शांति वार्ता को राजी हैं और शायद प्रयास फलदायक रहें। लेकिन पूरी संभावना है कि रूस कब्जाए इलाके के कुछ हिस्से अपने पास रखना चाहेगादृ जिस पर शायद वोल्दोमीर जेलेंस्की के नेतृत्व वाले यूक्रेन की प्रतिक्रिया यह होगी 'यह हमारी लाशों पर संभव है'। इसलिए, अब समझदारी यही अंदाजा लगाने में है कि लड़ाई जारी रहेगी। वहीं इस्राइल–हमास के बीच भी जंग खत्म होने के आसार फिलहाल क्षीण लगते हैं।

लिहाजा हमें, जारी युद्ध प्रभावित वैश्विक व्यापार और वैश्वीकरण को क्षति भरा एक और साल बिताने की तैयारी करने की जरूरत है। इसके अलावा, एक अन्य खतरा तेजी से उभर रहा है, यमन के हुती विद्रोही लाल सागर से गुजरने वाले समुद्री जहाजों को निशाना बना रहे हैं, जिससे उन्हें अफ्रीका वाला लंबा रास्ता अपनाना पड़ रहा है। नतीजतन न केवल अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों तक माल पहुंचाने के समय में बल्कि ढुलाई खर्च में भी इजाफा हो रहा है। पूरी संभावना है कि वैश्विक समुद्री आवाजाही में विघ्न से भारतीय आयात (विशेषकर तेल जैसी आवश्यक वस्तु) एवं निर्यात पर नए सिरे से वित्तीय बोझ पड़ेगा। इन परिस्थितियों के तहत, नई सरकार को 'बंद अर्थव्यवस्था' (आयात–निर्यात रहित) चलाने की योजना पर सोचना होगा, अलबत्ता, इससे उच्च आर्थिक दर पाने की हमारी आकांक्षा को धक्का लगेगा।

इन सबके साथ, अगले साल की आर्थिक नीति को पर्यावरणीय परिवर्तनों के परिणामवश अतिशयी मौसमीय घटनाओं का सामना करने को योजना तैयार रखनी होगी। अतएव, यही वक्त है जब केंद्र सरकार चेन्नई और हैदराबाद में आई अचानक बाढ़ सरीखे ऊंचे दर्जे की प्राकृतिक मार झेलने वाले राज्यों की शीघ्रातिशीघ्र मदद के वास्ते एक विशेष फंड बनाए। किसी सूबे को बाढ़ या सूखे का सामना करने पर, आर्थिकी को बहुत नुकसान झेलना पड़ता है और सहायतार्थ केंद्र सरकार से लगातार गुहार लगानी पड़ती है। इस पर आकलन और प्रतिक्रिया करने में केंद्र सरकार को समय लगता है। लिहाजा अतिशयी मौसमी घटनाओं के लिए बना विशेष सहायता–फंड बीमा पॉलिसी सरीखा होगा, जिसे पाने की नियम और शर्तें पूर्वनिर्धारित हों ताकि पावती में कीमती वक्त और स्रोत खराब न होने पाए।

इन तमाम नकारात्मकताओं के बीच, अच्छी खबर यह है कि नया साल 2023 की सकारात्मक आर्थिक विरासत के साथ शुरू होगा। भारत की आर्थिक विकास दर 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक रहने की उम्मीद है, मुद्रास्फीति कुल मिलाकर काबू में है, विदेशी मुद्रा भंडार काफी ऊंचा है और मुद्रा–विनिमय दर स्थिर है। बहुस्तरीय एंजेसियों और वैश्विक विशेषकों का कहना है कि विश्व की मुख्य आर्थिक शक्तियों में भारत सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। व्यापारिक मोर्चे पर, वस्तु निर्यात की कारगुजारी आगे भी अनुमान के अनुरूप कमजोर बनी रहेंगी लेकिन आयातदृनिर्यात संतुलन में अंतर की क्षतिपूर्ति सेवा निर्यात (विशेषकर सॉफ्टवेयर का), भारतीय आप्रवासियों से भेजे जाने वाले धन और विदेशी पूंजी प्रवाह से हो सकेगी। फिलहाल, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अगले लगभग 18 महीनों तक आयात करने के बराबर है। यह स्थिति पड़ोसी मुल्कों पाकिस्तान और श्रीलंका के मुकाबले कहीं बेहतर है।

आइए अब मुद्रास्फीति के मुख्य कारकों पर निगाह डालें। यह 5.5 फीसदी के साथ नियंत्रण में है, जो कि वहनीय स्तर यानी 6 प्रतिशत से कुछ ही नीचे है। लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति (8.7 फीसदी) उच्च बनी हुई है, जो कि देश के गरीब तबके के लिए बुरी खबर है और उनमें अधिकांश पहले ही अतिरिक्त बोझ सहने लायक नहीं बचे, तिस पर बाढ़ अथवा सूखे से खेती प्रभावित होने का खतरा मंडरा रहा है। देश की लगभग आधी आबादी (47 फीसदी) का व्यवसाय कृषि है और इसकी आय का लगभग आधा (54 फीसदी) पेट भरने के इंतजाम में खप जाता है। इस स्थिति का आदर्श हल कृषि उत्पादन में वृद्धि करना है ताकि उतनी फसल कम हाथों के इस्तेमाल से उग पाए, जिससे कि उनकी आय में बढ़ोतरी हो। कार्यबल में महिलाओं की गिनती बढ़ानी चाहिए ताकि वे बच्चे पालने और घर संभालने के काम से इतर रोजगार में लगें, जिससे उनकी आय बढ़े, जबकि छोटे ग्रामीण परिवारों में घर–गृहस्थी की देखभाल करने वाली औरतों को अपने इस काम के बदले कोई औपचारिक कमाई नहीं होती।

वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार कुल कार्यबल में मर्दों का अंश 74 प्रतिशत है, जो कि महिलाओं के 24 फीसदी से तिगुणा है। यदि देश में कृषि के लिए हाथों की जरूरत कम करनी है तो इसके लिए उत्पादन और सेवा क्षेत्र में अधिक नौकरियां पैदा करनी पड़ेंगी। उच्च कृषि उत्पादन सदका ग्रामीण आय में बढ़ोतरी होने से ग्रामीण अंचल के लोग अधिक उपभोक्ता वस्तुएं जैसे कि दोपहिया वाहन, टीवी सेट और मोबाइल फोन इत्यादि खरीद पाएंगे, जिससे संलग्न सेवा क्षेत्र में भी ज्यादा मांग पैदा होगी। इस प्राप्ति से ग्रामीण सेवा क्षेत्र में अपने–आप ज्यादा रोजगार अवसर पैदा होंगे।

जहां तक उत्पादन क्षेत्र में नौकरियों की बात है, तेज आर्थिक वृद्धि के साथ उनकी गिनती भी बढ़ेगी, लेकिन इस प्रक्रिया में सहायता तभी मिल पाएगी जब तमाम किस्म के धंधेदृ चाहे लघु एवं सूक्ष्म स्तर के हों या कॉर्पोरेट्स स्तर केदृ उन्हें खोलने–चलाने की प्रक्रिया का सरलीकरण हो। साथ ही, कारोबार के लिए वाजिब ब्याज दर पर पूंजी उपलब्ध हो ताकि कारोबारी अपना दायरा बढ़ाने लायक बन पाए (इसके लिए अधिक कार्यकारी पूंजी चाहिए होती है) और नया पूंजीगत निवेश कर पाएं। वहनयोग्य दर पर पूंजी तक पहुंच सुनिश्चित करने को, वास्तविक ब्याज दर को नीचा रखना आवश्यक है (मुद्रास्फीति घटाने के बाद मामूली दर)। इस ध्येय की पूर्ति मुद्रास्फीति के असर को दूर रखकर पाई जा सकेगी और मौजूदा वर्ष के लिए इससे बड़ी चुनौती है खाद्य मुद्रास्फीति दर में कमी लाना। जो भी नई सरकार आएगी, उसके समक्ष दो आर्थिक काम करने को होंगे, एक है कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी और दूसरा, आय सहित रोजगार में महिलाओं के लिए अवसरों में इजाफा करवाना। हालांकि, यह दोनों काम देश की दीर्घ–कालीन कार्यसूची का अंग हैं परंतु मौजूदा साल के लिए, यथेष्ट योजना के साथ इन पर फौरी काम शुरू करने पर ध्यान देना होगा।

श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा और विपक्ष

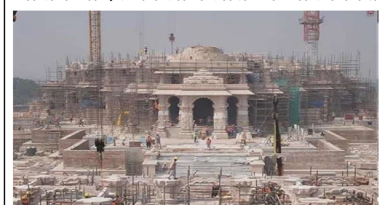

–अवधेश कुमार–

अनेक विपक्षी दलों के नेताओं ने साफ कर दिया है कि वो निमंत्रण मिलने के बावजूद अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। कुछ लोगों ने तो इस कार्यक्रम का ही तीखा विरोध कर दिया है। हालांकि इसके परे आम लोगों में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा तथा लोकार्पण को लेकर उत्साह का माहौल साफ दिखाई पड़ता है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश में कायम यह वातावरण अस्वाभाविक नहीं है। हमारे देश में ऐसे लोगों की बड़ी संख्या रही है जो श्रीराम मंदिर आंदोलन के महत्व और उसके प्रभाव को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे। यह देखते हुए भी कि अयोध्या आंदोलन ने भारतीय जनता पार्टी को देश के एक बड़े वर्ग का चहेता बना दिया ऐसे लोग आज तक सच्चाई स्वीकारने को तैयार नहीं हैं। उनका यही मानना रहा है कि भाजपा और संघ ने जानबूझकर अपनी राजनीति के लिए श्रीराम मंदिर के मुद्दे को उठाया, देश में सांप्रदायिक विभाजन किया तथा हिंदुओं का ध्रुवीकरण करके अपना वोट बैंक बढ़ाया।

कुछ नेताओं का बयान भी है कि आखिर लोकसभा चुनाव के पहले ही इसकी प्राण प्रतिष्ठा क्यों हो रही है। उनके अनुसार यह सीधे–सीधे राम मंदिर का राजनीतिकरण है। कोई पार्टी राजनीति में है, केंद्र की सत्ता में है तो उसकी भूमिका के पीछे राजनीति होगी। किंतु क्या यह मान लिया जाए कि प्राण प्रतिष्ठा का पूरा कार्यक्रम केवल भाजपा की राजनीति है और वह इसका 2024 की दृष्टि से लाभ लेना चाहती है।

इसके उत्तर के लिए यह प्रश्न करना होगा कि फिर मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम कब रखा जाना चाहिए था जिन लोगों के लिए आज भी मंदिर कोई मुद्दा नहीं है उनके वक्तव्य की इस संदर्भ में कोई प्रासंगिकता नहीं है। उनकी बात छोड़ दीजिए। उन सारे हिंदुओं के बारे में विचार करिए जिनके मन में यह आकांक्षा थी कि करीब 500 वर्ष पहले जिस पवित्र मंदिर को ध्वस्त करके मस्जिद बनाई गई वहां मंदिर का निर्माण हो। इस मंदिर को बचाने और फिर बाद में उस जगह को प्राप्त कर पूजा पाठ करने के लिए संघर्ष का लंबा इतिहास है। अनेक इतिहासकारों ने उसे महत्व देने की कोशिश नहीं की। न्यायालयों में दोनों पक्षों की हुई बहस तथा पैसों से साफ हो गया कि इसके लिए संघर्ष सतत चलता रहा। इसमें हिंदुओं के साथ सिख, बौद्ध, जैन सबकी भूमिका रही है।

इतने संघर्ष और स्वतंत्रता प्राप्ति के बावजूद लगभग 72 वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद इसका फैसला आया। क्या उस फैसले को साकार करने के लिए समय सीमा का संकल्प नहीं होना चाहिए था। हमारे देश में किसी भी निर्माण में समय सीमा का संकल्प नहीं दिखाते हैं तो वह कितना आगे ङ्क्षखच जाएगा इसकी कल्पना हम आप सबको है। एक निर्माण कार्य शुरू होने के बाद वह कब पूरा होगा इसकी गारंटी नहीं होती। वैसे भी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन के कुछ समय बाद धीरे–धीरे यह समाचार आने लगा था कि आम लोगों के दर्शन और पूजन के लिए 2023 के अंत या 2024 के आरंभ में श्रीराम मंदिर खुल जाएगा। निश्चित रूप से इसे हर हाल में पूरा किया ही जाना चाहिए था। कौन–सा चुनाव कब है। इसका प्रभाव उन चुनावों पर क्या पड़ेगा इसकी दृष्टि से विचार करना अनुचित होता। संसदीय लोकतंत्र में चुनाव अपने समय पर आयोजित होते हैं और उसके लिए ऐसे ऐतिहासिक सांस्कृतिक आयोजन को टाला नहीं जा सकता।

संकल्पबद्धता और इसका ध्यान रखते हुए दिन रात एक नहीं किया जाता तो 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा संभव नहीं होती। संपूर्ण मंदिर और उससे संबंधित अन्य निर्माण कार्य आगे भी जारी रहेंगे। ऐसा सामान्यतरू होता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जब सरदार वल्लभभाई पटेल, कन्हैयालाल माणिक लाल मुंशी, डा.राजेंद्र प्रसाद जैसे महान नेताओं ने सोमनाथ मंदिर के पुनध्र्नर्माण की योजना बनाई तब भी उसका विरोध हुआ था। हालांकि तब देश में न मीडिया का इतना प्रसार था और न राजनीति में ऐसा तीखा विभाजन और वोट की राजनीति की दृष्टि से ही हर मुद्दे पर अपना स्टैंड लेने का माहौल था।

साइबर फ्राड के पीड़ितों को वापस मिले साढ़े 4 लाख

संवाददाता–गोण्डा। साइबर फ्रॉड की बढ़ती घटनाओं को लेकर पुलिस लगातार लोगों को जागरुक कर रही है। नव वर्ष पर साइबर सेल ने 4,43,669 रुपए वापस कर कर पीड़ितों के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी है। साइबर अपराध से बचने के लिए एसपी ने कुछ जरूरी बातें बताया है। इन चीजों का ध्यान रखें साइबर अपराध से बचा जा सकता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि साइबर अपराध करने वाले तरह–तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। ऐसे में हमें सतर्क रहने की जरूरत है। यदि आप इन्हें अपने डिटेल की जानकारी नहीं देंगे। ये लोग फ्रॉड कर नहीं सकते।

गोण्डा जिले में साइबर फ्रॉड की रोकथाम के संबंध में त्वरित कार्यवाई करने के लिए एसपी गोंडा विनीत जायसवाल ने साइबर सेल से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक निर्देशन में पीड़ितों से फ्रॉड की गयी धनराशि को सम्बंधित बैंक से संपर्क स्थापित करते हुए ठगी गयी धनराशि 4,43,669 रुपये पीड़ितों के खातों में वापस करवाया गया। शहर के सिविल लाइन कॉलोनी कोतवाली नगर के रहने वाले डीडी मिश्रा ने बीमा पॉलिसी रिनीवल के लिए फ्रॉड कॉल पर रुपये ट्रांसफर कर दिये। इसी तरह वजीरगंज के रहने वाले हरीश कुमार यादव ने क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन शॉपिंग हो जाने की शिकायत एसपी से किया था। इन दोनों मामलों में पुलिस ने त्वरित एक्शन लेते हुए जिले की साइबर सेल ने संबंधित बैंक इंटीमेशन से संपर्क स्थापित कर तत्काल कार्यवाही करते आवेदक डीडी मिश्रा को 4,11,670 तथा आवेदक हरीश कुमार यादव को 31,999 रुपये वापस कराया गया। पैसा वापस होने के बाद पीड़ितों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने फूल भेंट कर देकर पुलिस को धन्यवाद दिया। किसी भी अनजान फोन कॉल पर अपनी बैंक डिटेल, ओ0टी0पी0, बायोमैट्रिक डेटा, पैन कार्ड और आधार कार्ड की डिटेल किसी के साथ साझा न करें। फ्रॉड ट्रांजेक्सन होने पर तत्काल अपने बैंक एवं पुलिस को सूचना दें। साइबर हेल्पलाइन 1930 या डायल–112 पर भी शिकायत दर्ज कराएँ।

बस्ती मंडल के गायकों ने बिखेरा सुरों का जादू

संवाददाता–गोण्डा। नन्दिनी के इंडोर स्टेडियम में चल रहे आडिशन में बुधवार को बस्ती मंडल के युवा गायकों ने अपने सुरों का जादू बिखेरा। प्रतिभागियों के बीच दिनभर चले सुर– संग्राम के पश्चात अपनी गायकी का श्रेष्ठ प्रदर्शन कर ज्यूरी कमेटी से सर्वाधिक अंक अर्जित करते हुए विभिन्न वर्गों के आधा दर्जन गायक ग्रैंड फिनाले में जगह बनाने में कामयाब रहे। चौम्पियनशिप के आयोजक सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। अयोध्या के महंत स्वामी दिनेशाचार्य बुधवार के आडिशन के खास मेहमान रहे। महंत द्वारा प्रस्तुत लोकगीत को श्रोताओं ने खूब सराहा।

चैम्पियनशिप के तीसरे दिन ज्यूरी कमेटी के सदस्यों ने भी अपने सुर का जलवा बिखेरा। मुकेश सिंह मधुर द्वारा प्रस्तुत कौन जतन करू रूठे पिया.. ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं इसरार अहमद और मुन्ना सहारा ने गाए पुराने फिल्मी गानों पर महफिल झूम उठी। सुविख्यात गायक अनुराग भोलिया और शैलेन्द्र निगम के भोजपुरी गीत का श्रोताओं ने खूब आनंद लिया। उपस्थित लोगों में जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा, एमएलसी अवधेश प्रताप सिंह श् मंजू सिंह श् पंकज सिंह, सांसद प्रतिनिधि कैसरगंज सुनील सिंह, अरविंद सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे। ग्रैंड फिनाले के फाइनल राउंड मे जगह पाने वाले प्रतिभागियों में नान फिल्मी कैटेगरी के सीनियर वर्ग में सत्यम सिंह और नीतेश त्रिपाठी शामिल हैं। वहीं फिल्मी गीतों की कैटेगरी में आरती तिवारी, सविता तिवारी, पूर्णिमा शुक्ला और शिवानंद शुक्ला जगह बनाने में कामयाब रहे। गायकों के आवाज को साज से संवारने वाले वादकों में दीपक श्रीवास्तव आर्गन, आरपी पाण्डेय ढोलक, राजेश कुमार आक्टो पैड, शिव प्रसाद तबला, मोईन गिटार के नाम शामिल है। संचालन जेपी कश्यप ने किया।

तरक्की वही करता जिसका मन बड़ा होता है –रणविजय

संवाददाता–गोण्डा। विकासखंड के ग्राम पंचायत मोहनपुर में दीपराजी सिंह सेवा संस्थान द्वारा कम्बल वितरण समारोह का आयोजन बुधवार को किया गया। मुख्य अतिथि व पूर्व एमएलसी रणविजय सिंह व विशिष्ट अतिथि पूर्व चेयरमैन डीसीडीएफ संगीता सिंह ने जरूरतमंदों को कम्बल बांटे। पूर्व एमएलसी ने कहा कि तरक्की वही करता है जिसका मन बड़ा होता है। इस दौरान जिपं सदस्य रणजीत सिंह, अशोक शुक्ला, हर्ष वर्धन सिंह, तीसमार यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सौ मीटर दौड़ में श्वेता ने बाजी मारी

संवाददाता–गोण्डा। मां गायत्री इंस्टिट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज चांदनी चौक में बुधवार को पांच दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता शुरू हुई। इसका उद्घाटन स्वामिनारायण मंदिर के संत स्वामी हरिदर्शन दास व विशिष्ट अतिथि जिपं सदस्य शांति भूषण तिवारी ने किया। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ. विजय बहादुर सिंह और प्रशासक सरोज सिंह भी मौजूद रहीं। खेल प्रतियोगिता में 100 मीटर रेस, 400 मीटर रेस, रस्साकशी, बोरा रेस, नींबू रेस, सुई धागा रेस, धीमी साइकिल रेस आदि आयोजन हुआ। बोरा रेस बालिका वर्ग में वैशाली प्रथम, बबिता द्वितीय, पल्लवी को तीसरे स्थान पर रही। बालक वर्ग में हरिशंकर प्रथम, उत्कर्ष द्वितीय तथा शुभम् को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। 100 मीटर रेस बालिका वर्ग में श्वेता प्रथम, आंचल द्वितीय, शालिनी को तृतीय स्थान मिला। पुरुष वर्ग में उत्कर्ष प्रथम, अरविंद द्वितीय, तथा अजीत को तृतीय स्थान मिला। लेमन स्पून रेस में शालिनी प्रथम, सरिता द्वितीय, आंचल तिवारी को तृतीय स्थान मिला। टग रेस में वैशाली व प्रिंसी की टीम ने नीलम व सोनी की टीम को हराया। वहीं शिवम व शालू की टीम ने अवंतिका व अंकुश की टीम को हराकर जीत हासिल की।

थर्मल ड्रोन के सहारे पकड़ा गया आतंक का पर्याय बना तेंदुआ

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के बराहवा रेंज में आतंक का पर्याय बना तेंदुआ बीते 3 माह से पूरे क्षेत्र में आतंक मचा रखा था। इसको पकड़ने के लिए कई जिलों से विशेषज्ञों की टीम बुलाई गई थी। अंततः थर्मल ड्रोन के सहारे तेंदुए को वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया है। अब तक यह नरभक्षी तेंदुआ 5 मासूम बच्चों को मौत की नींद सुला चुका है। ग्रामीणों में तेंदुए को लेकर भय का माहौल बरकरार रहा।

बलरामपुर जिले के हरैया थाना क्षेत्र के बराहवा रेंज के बेलवा गांव में थर्मल ड्रोन की सहायता से नरभक्षी तेदुआं वन विभाग के शिकंजे में फंस गया है। तेंदुए को जनकपुर वन रेंज कार्यालय लाया गया है। जहां अधिकारियों के आग्रिम आदेशों के बाद अलग भेजा जायेगा। जिले के तुलसीपुर,हरैया,गैसड़ी क्षेत्र के तीन दर्जन से अधिक गांवों में नरभक्षी तेदुएं का आतंक बीते तीन माह से बना है। तेदुआ अब तक पांच बच्चों को तुलसीपुर के लालनगर में दो,हरैया के बेलवा में एक ,गैसड़ी वा पचपेडवा क्षेत्र में एक,एक मासूम बच्चों को नरभक्षी तेदुआ अपना निवाला बना चुका है। जिसे पकड़ने को लेकर तीन महीनों से कई जनपदों के विशेषज्ञों की टीम गांव गांव की खाक छान रही थी। जो बुधवार को ट्रेक कैमरा में दिखने के बाद जाल लगे क्षेत्र में घेराबंदी कर दौड़ाया गया। जहां जाल में तेंदुआ फंस गया । तेंदुआ के काबू में करने के बाद बेहोश कर जनकपुर रेंज लाया गया है। जनकपुर वन रेंज अधिकारी अमरजीत प्रसाद ने बताया कि अभी तेंदुए को कहां लेकर जाया जाएगा अभी निर्णय नहीं हो पाया है। उच्च अधिकारियों को सूचना दी गई है। अग्रिम आदेशों तक अभी जनकपुर रेंज लाया गया है। अधिकारियों के आदेश के बाद इसे कहीं अन्य जगहों पर भेजा जाएगा।

किसानों की समस्याओं को लेकर उठाई आवाज

संवाददाता–बलरामपुर। भारतीय किसान क्रांति यूनियन के जिला संयोजक मोहम्मद खलील शाह ने बुधवार को विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर आवाज उठाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम अवधेश कुमार को सौंपा है। भाकिक्रांयू के जिला संयोजक मोहम्मद खलील शाह ने पत्र में मांग किया है कि केन कमिश्नर से दलालों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से लागू किए गए गन्ना तौल नीति को वापस लिए जाने, उच्च न्यायालय के आदेशानुसार गन्ना मूल्य भुगतान कराए जाने, गन्ना मूल्य व तौल रसीद पर अंकित किए जाने, गन्ना बंधन की कटौती न किए जाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों के भुगतान को मद्देनजर रखते हुए बिजली बकायेदारों का एक मुफ्त समाधान योजना को मार्च तक बढ़ाई जानी चाहिए। गायत्री ब्लॉक में दलित और कमजोरों के पट्टे की भूमि पर दबंगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को अति शीघ्र हटवाकर पट्टेदारों को कब्जा दिलाए जाने सहित कई मांग शामिल हैं। इस अवसर पर बड़े लाल पांडेय, बच्छराज वर्मा, जीवन लाल यादव, राम सजन, उजागर वर्मा, राजेंद्र प्रसाद यादव, अशोक कुमार दुबे, सतिराम यादव, रामदास, रामपाल, बुद्ध सागर, सालिकराम समेत दर्जनों किसान मौजूद रहे।

पेंशन बहाली पर बनाई रणनीति

संवाददाता–गोण्डा। पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा (एनजेसीए) की बैठक बुधवार को चौधरी चरण सिंह फील्ड हॉस्टल में सम्पन्न हुई। जिसमें राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, विशिष्ट बीटीसी संघ, बेसिक हेल्थ वर्कर संघ, आईटीआई संघ, बोरिंग टेक्नीशियन संघ, अनुसेवक संघ समेत समस्त 28 कर्मचारी संघ बैठक में शामिल हुए।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे मण्डल अध्यक्ष वीर विक्रम सिंह ने कहा कि आठ जनवरी को देशव्यापी भूख हड़ताल की जाएगी। इसके लिए सभी कर्मचारी कमर कस लें। इंद्रपाल तिवारी ने कहा कि हमे लक्ष्य प्राप्ति तक रुकना नहीं है। पुरानी पेंशन बहाली होने तक संघर्ष जारी रहेगा। दिलीप चौहान ने कहा कि मंडलीय कार्यक्रम गोण्डा में होना है, इसमें चारो जनपदों की अधिक से अधिक भागीदारी रहेगी। जिलाध्यक्ष अशोक कुमार पांडेय ने कहा कि जूनियर शिक्षक संघ ने पेंशन की लड़ाई हर स्तर पर लड़ी है और आगामी कार्यक्रम में भी पूरी ताकत से प्रतिभाग करेगा। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विनय कुमार तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर जो संख्या भूख हड़ताल के लिए निर्धारित की गई है उससे अधिक संख्या में शामिल होंगे। भूख हड़ताल के लिये जिला पंचायत टीन शेड गोण्डा में कार्यक्रम स्थल के रूप में चयनित किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए समितियों का निर्धारण भी किया गया है। बैठक में राज्य कर्मचारी परिषद महामंत्री सीतापति राम मिश्रा, राज्य कर्मचारी कोषाध्यक्ष विजय कुमार, प्रांतीय उपाध्यक्ष सुरेश कुमार सिंह, जिला महामंत्री अजीत तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष नरेंद्र सिंह, जिला महामंत्री उमाशंकर सिंह, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अवधेश त्रिपाठी, संयुक्त मंत्री बलवंत सिंह,आजाद बेग,सतीश पांडेय,अभय गिरि,रंजीत गौतम,नौशाद अली, अंजुम नासिर, जनार्दन सिंह, राम शेखर पांडेय, कुलदीप पाठक, राधेरमण, तुलाराम गिरी, ओमप्रकाश सरोज, शशांक श्रीवास्तव सहित उपस्थित रहे।

जयंती पर याद की गई सावित्रिबाई फुले

संवाददाता–देवरिया। क्षेत्र के पड़री बाजार में देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती बुधवार को समारोह पूर्वक मनाई गई। इस दौरान उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा हुई। सम्बोधित करते हुए कवि व शायर मकसूद अहमद भोपतपुरी ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा का अलख जलाकर एक शिक्षित समाज की स्थापना में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें तमाम यातनाएं भी झेलनी पड़ी। सावित्रीबाई फुले ने 1848 में देश में प्रथम कन्या विद्यालय की स्थापना किया। जिसके लिए शेख उस्मान और शेख फातिमा ने अपना जमीन दान दिया था। उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। सम्बोधित करते हुए प्राथमिक विद्यालय पड़री के प्रधानाध्यापक जियाउल्लाह अंसारी ने कहा कि सावित्रीबाई फुले देश की प्रथम महिला शिक्षिका के साथ.साथ एक महान समाज सेविका भी थी। उन्होंने महिला उत्थान के लिए विशेष कार्य किया। इसके लिए उन्हें अपने घर से भी निष्कासित होना पड़ा। उनके जीवन संघर्षो से वर्तमान युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधानाध्यापक राम प्रवेश पाल, शिक्षक हरेंद्र सिंह, रामनाथ कुशवाहा, नन्दजी कुशवाहा, मु. मुस्ताक, विवेक सिंह, शुभम बैठा आदि मौजूद रहे।

75 वें प्राकट्य महोत्सव के लिए रामलला को दिया गया आमंत्रण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्रीराम लला के 75 वें प्राकट्य महोत्सव के प्रथम निमंत्रण श्रीराम जन्मभूमि सेवा समिति के अध्यक्ष ब्रह्मर्षि रामविलास दास वेदांती के अध्यक्षता में समापति महंत धर्मदास महाराज ने श्रीराम लला को श्रीराम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी महंत सत्येंद्र दास के उपस्थिति से आमंत्रित किया। इस अवसर पर संयुक्त मंत्री महंत जयरामदास ने बताया कि यह परंपरा 75 वर्ष से निरंतर चली आ रही है हर परिस्थितियों में समिति ने और समिति के पदाधिकारी ने रामलला के प्राकट्य महोत्सव मनाया परिस्थिति चाहे जो रही हो श्रीराम जन्मभूमि पर जुलाई 2005 में आतंकवादी हमला हुआ इसके पूर्व हम लोग मंदिर परिसर में ही हवन पूजन के साथ कलश स्थापना करते थे तमाम बंदिशें के बाद हवन पूजन परिसर के बाहर होने लगा लेकिन कलश स्थापना आज भी भगवान के गर्भगृह में ही होता है और 3 दिन पूजन के बाद पूजित कलश की शोभायात्रा निकाली जाती है जिसमें अयोध्या के पूज्य साधु संत आम जनमानस जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारी गण की उपस्थिति होती है और हवन पूजन के बाद कार्यक्रम का समापन होता है।

महामंत्री अच्युत शंकर शुक्ल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ 12 जनवरी को कलश समर्पण के साथ होगा 14 जनवरी को 2 बजे दिन में क्षीरेश्वर नाथ के सामने से विशाल शोभा यात्रा निकाली जाएगी जो नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए क्षीरेश्वर नाथ पहुंचेगी जहां हवन पूजन के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। भगवान को निमंत्रण समर्पण के लिए मुख्य रूप से महंत जनार्दन दास महंत सत्येंद्र दास वेदांती वशिष्ठ पीठाधीश्वर महंत राघवेश दास महंत मनीष दास स्वामी गया शरण के साथ पुजारी राजेश चौबे और प्रदीप दास आदि उपस्थित रहे।

अवकाश घोषित होने के बावजूद ठंड में चल रहे निजी स्कूल

संवाददाता–बलरामपुर। बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज के सचिव के निर्देश पर बीएसए के नियंत्रणाधीन संचालित सरकारी मान्यता प्राप्त बेसिक स्कूलों में शीतकालीन अवकाश 31 दिसंबर से 14 जनवरी 2024 तक किया गया है। यह अवकाश सभी परिषदीय, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त व अंग्रेजी माध्यम के आठवीं तक संचालित स्कूलों पर लागू किया गया है। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद सचिव ने भीषण ठंडक को देखते हुए 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक आठवीं तक के सभी स्कूलों में शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया है। शासन के निर्देश के बावजूद जिला मुख्यालय सहित तहसील, ब्लाक व कस्बों में संचालित निजी स्कूल भीषण ठंड में भी संचालित हो रहे हैं। मुख्यालय के नहर बालागंज, जोरावरपुर, भगवतीगंज, फुलवरिया बाईपास, हरिहरगंज, दुसाह, सिटी पैलेस, शंकरपुर, अगरहवा, बिजलीपुर, तुलसीपुर नई बाजार, पुरानी बाजार, जरवा मार्ग, श्रीदत्तगंज बाजार, उतरौला, रेहरा बाजार, जुआथान, श्रीनगर, कटिया, कोडरी, ललिया, शिवपुर, महाराजगंज तराई, कौवापुर सहित आदि प्रमुख स्थानों पर अधिकांश निजी स्कूल भीषड़ ठंड में शासन के निर्देश के बावजूद खुलेआम संचालित हो रहे हैं। इन स्कूलों में ठंड से बचाव के न तो पर्याप्त इंतजाम हैं और न ही स्कूलों में अलाव आदि की व्यवस्था। ऐसे में शासन के आदेशों को धता बताकर स्कूल संचालित करना अवैधानिक है। कल्पना देवी, बीएसए ने कहा कि उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज सचिव के निर्देश पर नर्सरी से आठवीं तक मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त, निजी विद्यालय एवं परिषदीय विद्यालय भीषण ठंड के चलते 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश घोषित किया गया है। इस दौरान नर्सरी से आठवीं तक स्कूल संचालित मिलने पर संबंधित विद्यालय प्रधानाध्यापक व प्रबंधन जिम्मेदार होंगे। शासन के निर्देशों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

घर के कमरे के कुंडे में फंदे से लटकती मिली युवती की लाश

संवाददाता–बहराइच। एक युवती का शव घर के कमरे में छत के कुंडे से रस्सी के फंदे के सहारे लटकती मिला है। युवती की लगभग दो वर्ष पूर्व शादी हुई थी। मृतका के पिता की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश पोस्टमार्टम को भेज दी गई है।

विशेश्वरगंज थाने के शेखापुर निवासिनी 21 वर्षीय ममता सिंह पत्नी यशवीर सिंह का शव बुधवार सुबह उसके घर के कमरे में छत के कुंडे से फंदे के सहारे लटकता मिला। जिससे परिजनों में हाहाकार मच गया। जानकारी मिलते ही मृतका का पिता बलरामपुर जिले के रेहड़ा बाजार सेमरहा निवासी माता प्रसाद बेटी की ससुराल पहुंचे। संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के चलते उनकी सूचना पाकर पहुंचे मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार महबूब अंसारी, पयागपुर सीओ आनंद कुमार राय, थानाध्यक्ष सूरज कुमार राणा ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में लाश का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि रिपोर्ट आने पर मौत की वजह का पता चल सकेगा।

किसानों के आंदोलन की अनदेखी कर रही है सरकार

संवाददाता–देवरिया। बैतालपुर चीनी मिल चलाने की मांग को लेकर बुधवार को चीनी मिल चलाओ संघर्ष समिति का कलेक्ट्रेट में धरना 62वें दिन भी जारी रहा।

इसमें किसानों ने कहा कि कड़ाके की ठंड में किसान आंदोलन कर रहे हैं,लेकिन शासन, प्रशासन इस पर ध्यान नहीं दे रहा है। धरने की अध्यक्षता कर रहे कलक्टर शर्मा ने कहा कि सरकार किसानों को अन्नदाता कहती है,लेकिन किसानों की रोजी–रोटी का आधार बैतालपुर चीनी मिल को नहीं चला रही है। समिति के अध्यक्ष ब्रजेन्द्र मणि त्रिपाठी ने कहा कि सरकार व सत्ताधारी दल किसानों के आंदोलन की अनदेखी कर रहे हैं। इस बार किसानों ने यह प्रण लिया है कि जब–तक बैतालपुर चीनी मिल चलाने की घोषणा नहीं हो जाती है,आंदोलन जारी रहेगा।

इसमें रत्नेश मिश्र, कोमल यादव, चन्द्रिका यादव, संजीव शुक्ला, अशोक मालवीय, अशोक यादव, झाबर पाण्डेय, विजय कुमार सिंह, जय प्रकाश मिश्र, वेद प्रकाश आदि शामिल रहे।

व्यवसायिक पाठ्यक्रम परीक्षा में 975 छात्रों ने किया प्रतिभाग

संवाददाता–बलरामपुर। एमएलके पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत स्नातक स्तर पर संचालित व्यवसायिक पाठ्यक्रम की परीक्षा बुधवार को प्रारंभ हुई। परीक्षा के पहले दिन 975 छात्रों ने परीक्षा दी। यह जानकारी महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. जेपी पाण्डेय ने दिया। प्राचार्य प्रो. जेपी पाण्डेय ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत महाविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार, संगीत, योगा, टेलरिंग एंड एम्ब्रॉइडरी, एकाउंटेंसी एंड ऑडिटिंग, फिजियोथेरेपी टेक्नीशियन, फिजिकल फिटनेस एंड जिम ट्रेनर, फोटोग्राफी एंड वीडियोग्राफी, फूड प्रोसेसिंग एंड कुकिंग, ब्यूटिशियन, कंप्यूटर स्किल व लीगल सर्विसेज असिस्टेंस की पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। पाठ्यक्रम का संचालन रोजगारपरक पाठ्यक्रम प्रभारी प्रो. एसपी मिश्र के निर्देशन में संचालित हो रहे हैं। यह पाठ्यक्रम छात्र–छात्राओं को व्यवसायिक दृष्टिकोण से समर्थ बनाने के लिए सहायक होंगे। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। व्यवसायिक पाठ्यक्रम की परीक्षा तीन से छह जनवरी तक चलेगी। परीक्षा प्रभारी डा. सदगुरु प्रकाश व सह परीक्षा प्रभारी डा. सुनील कुमार शुक्ल ने बताया कि पहले दिन प्रथम पाली में पत्रकारिता एवं जनसंचार, फिजिकल फिटनेस एवं जिम ट्रेनर, टेलरिंग तथा फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी के 332 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। वहीं द्वितीय पाली में योग, फूड प्रोसेसिंग, संगीत व कुकरी के 643 छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया।

अयोध्या को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी हम अयोध्या वासियों की है –महापौर गिरीशपति त्रिपाठी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या नगर निगम के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने अयोध्या धाम में श्री राम पथ पर स्थित बाजार में व्यापारियों और श्रद्धालुओं के साथ अयोध्या वासियों को झोला वितरण करके अयोध्या को स्वच्छ बनाने का संदेश दिया। बताते चलें की 30 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में 8 किलोमीटर का विशाल रोड शो करने के उपरांत सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अयोध्या को देश का सबसे स्वच्छ सुंदर शहर बनाना है और इसकी जिम्मेदारी अयोध्या वासियों की है इसी क्रम में 22 जनवरी को श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी चल रही है और महापौर अयोध्या को स्वच्छ रखने के लिए सभी नागरिकों से अपील करते हुए उनको झोला दे रहे हैं की सिंगल उसे प्लास्टिक का उपयोग आप ना करें जिससे हम अयोध्या को भारत का सबसे स्वच्छ शहर बना सके।

इस अवसर पर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने बताया कि 22 जनवरी को श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा है और अयोध्या में देश के कोने–कोने से हमारे अतिथि आएंगे और प्राण प्रतिष्ठा के साथ–साथ अयोध्या में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ेगी इस को देखते हुए हम अयोध्या वासियों का कर्तव्य और बढ़ जाता है कि अयोध्या को कैसे स्वच्छ रखें इसी क्रम में स्वच्छता का संदेश देने के लिए और सभी व्यापारी और अयोध्या वासियों से अपील करने के लिए आज अयोध्या धाम में हमने अयोध्या वीडियो अपने पार्षदों व्यापारियों के साथ लोगों में जागरूकता लाने के लिए झोला वितरण किए हैं जिससे सब लोग उसी में सामान ले और अयोध्या को भारत का सबसे स्वच्छ शहर बनाने में सहभागी बने। किस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष बालकृष्ण वैश्य, व्यापार मंडल अध्यक्ष पंकज गुप्ता, पूर्व मंडल अध्यक्ष विनोद श्रीवास्तव, उपसभापति जय नारायण सिंह रिंकू, पार्षद प्रतिनिधि प्रियेश दास, पार्षद अनुज दास, पार्षद अभय श्रीवास्तव, पार्षद विनय जायसवाल, पार्षद प्रतिनिधि रिशु पांडे, रमेश गुप्ता राणा, श्रीनिवास शास्त्री, आनंद गुप्ता, सरदार सुरेंद्र सिंह नीटू, दुर्गेश पांडे, विनोद गुप्ता, अशोक तिवारी, राजेश मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

होर्डिंग्स के नाम लाखों का खेल, पेड़ व पोल पर टांगे होर्डिंग्स

संवाददाता–बहराइच। जिले में होर्डिंग्स के नाम पर सरकारी के धन लूट पर विराम नहीं लग पा रहा है। अब जल निगम में होर्डिंग्स में भ्रष्टाचार का खेल सामने आया है। एजेंसी की ओर से बिना बेस तैयार किए ही पेड़, खंभों व अन्य जगहों पर होर्डिंग्स टांग दिए गए हैं। मानक के विपरीत व नियमों की अनदेखी कर लाखों रुपये भुगतान का बिल भी विभाग को पहुंचा दिया गया। विभागीय अधिकारी भी संस्था के खेल से अनजान हैं। अब मामला डीएम के पटल पर पहुंचा, तो अधिकारियों के होश उड़ गए हैं, जांच के आदेश दिए गए हैं। जिले में योजनाएं भी भ्रष्टाचार की भेंट नहीं चढ़ रही हैं, बल्कि योजनाओं के प्रचार–प्रसार के लिए होर्डिंग के नाम पर भी जमकर खेल हो रहा है। केंद्र सरकारी की जल जीवन मिशन योजना ड्रीम प्रोजेक्ट है। हर घर जल पहुंचाने व उसके प्रयोग से होने वाले फायदे सभी गांवों में ही रोजगार सृजन के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए शासन की ओर से शहर से लेकर गांवों तक होर्डिंग्स लगाने के निर्देश दिए हैं। नामित संस्था को होर्डिंग्स के मानक व निर्धारित समय सीमा तक स्थापित करने तक के लिए करोड़ों का बजट भी दिया गया है। करार के मुताबिक संस्था को पक्का बेस तैयार करके ही होर्डिंग्स खड़ी करनी है, लेकिन कागजों में भले कर दिया गया हो धरातल पर एक भी होर्डिंग्स अभी तक नहीं स्थापित की गई है। यहीं नहीं ठेकेदार ने बिजली के पोल, पेड़ की शाखाओं व होटलों–ढाबों के ऊपर टांग दिए गए हैं। कई जगह तो होर्डिंग्स लगाई गई, सुबह ही धराशाई हो गई। यहीं नहीं जिला मुख्यालय पर एलईडी स्क्रीन के जरिए आठ घंटे तक योजना का एक साल तक प्रचार भी करना होगा। पीएम की ड्रीम योजना के प्रचार होर्डिंग्स में हो रहे खेल से जल निगम के अधिकारी भी अनजान है। मामले का खुलासा होने पर ठेकेदार को नोटिस व टीम गठित कर जांच के आदेश दिए गए हैं। जमीन से लगभग चार फीट ऊपर तक मजबूत बेस तैयार कर लोहे के एंगल में जल जीवन मिशन से जुड़ी सभी जानकारियों की होर्डिंग्स को फिक्स होना चाहिए, लेकिन एक भी होर्डिंग्स ठेकेदार की ओर से अभी तक नहीं लगवाई गई है। जिला मुख्यालय पर चार एलईडी आधारित डिजिटल प्रचार की व्यवस्था किया जाना रहा। एक साल तक संस्था को नियमित योजनाओं का प्रचार आने–जाने वाले लोगों को दिखाने थे। जल निगम की ओर से चौक–चौराहे चिह्नित कर ठेकेदार को दिए भी गए हैं, लेकिन शहर में दूर तलक एलईडी नजर नहीं आ रही है। जल निगम के कर्मचारी ने बताया कि जल जीवन मिशन से जुड़े गाने का वीडियो भी 30 मिनट बजाने के निर्देश दिए गए हैं। दिन में कई बार प्रदर्शित करना है, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है।

कमलाशंकर, अधिशाषी अभियंता, जल निगम, ने कहा कि ठेकेदार की ओर से नियमों के विपरीत होर्डिंग्स लगा दिए गए हैं, जांच कराई जा रही है। नियम की अनदेखी पर कार्रवाई होगी।

आभूषण दुकान का शटर तोड़कर 15 लाख की चोरी

संवाददाता–देवरिया। महुआडीह थाना क्षेत्र के भटनी दादन चौराहे पर मंगलवार की रात एक आभूषण व कपड़े की दुकान के पीछे की दीवार में नकब काट कर और फाटक को तोड़कर उसमें रखा करीब 15 लाख रूपये के जेवर व नगदी चोर उठा ले गए। सुबह घटना की जानकारी होने पर सैकड़ों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंच सीओ व एसओ तथा फॉरेंसिक व डाग स्क्वायड टीम ने घटना स्थल की जांच की। ठंड के बढ़ने के साथ ही चोरी घटनायें भी बढ़ने लगी हैं। दुकान, घर में रखे आभूषण, दरवाजे पर खड़ी गाय,भैंस व दरवाजे पर खड़े वाहन को चोरी निशाना बना रहे हैं। आये दिन चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर चोर पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। महुआडीह थाना क्षेत्र में सप्ताह भर के अंदर चोरी की आधा दर्जन घटनायें हो चुकी हैं। महुआडीह थाना क्षेत्र के विक्रम विशनपुर निवासी सदानन्द वर्मा पुत्र स्वर्गीय लक्ष्मीशंकर वर्मा की भटनी दादन चौराहे पर कपड़े व ज्वेलर्स की दुकान है। वह मंगलवार की शाम को दुकान बंद कर घर चले गए। देर रात को चोरों ने दुकान की पीछे की दीवाल में सेंध काटकर दुकान का शटर तोड़ दिया। इसके बाद चोरों ने दुकान के अंदर घुसकर लोहे की तिजोरी को तोड़कर उसमें रखा करीब 6 किलो चांदी तथा 200 ग्राम सोने का जेवर, नगदी समेत करीब 15 लाख की चोरी की घटना को अंजाम दिया। बुधवार की सुबह दुकान में चोरी की सूचना मिलने पर दुकानदार पहुंचा। चोर दुकान के सारे जेवर व नगदी चुरा ले गये थे। सूचना पर पहुंची महुआडीह पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। लाखों की चोरी की सूचना पर सीओ सदर संजय कुमार रेड्डी फॉरेंसिक व डाग स्क्वायड टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। टीम ने जांच पड़ताल किया तथा मौके से कुछ साक्ष्य जुटाए। आभूषण कारोबारी की तहरीर परमहुआडीह पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

राम मंदिर प्राणप्रतिष्ठा का न्यौता न मिलने पर कुछ लोगों को है दर्द –केशव प्रसाद मौर्य

संवाददाता–संतकबीरनगर। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा, बसपा, कांग्रेस की सरकारों में भ्रष्टाचार का बोलबाला था। जब से केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार तथा उत्तर प्रदेश में योगी की सरकार आई है, भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना साकार हुआ है। कुछ लोगों को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भी न्यौता न मिलने से पेट में दर्द हो रहा है। वे ऐसे लोग हैं जो न कभी राम के हुए न समाज के हुए। वह बुधवार को मेंहदावल के करमैनी गांव में विकसित भारत यात्रा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब–जब केंद्र तथा प्रदेश में गैर भाजपा सरकारें रही हैं। लूट–खसोट और भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा है। सरकार की योजनाएं कागजों में चलती थीं। आम जनता त्रस्त थी। 2014 से जब देश की अवाम ने भ्रष्ट सरकारों को हटाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की बागडोर सौंपी, तब से अभ्युदय भारत का उदय होने लगा। आज देश के गरीब को विकट बीमारियों की स्थिति में कर्ज नहीं लेना पड़ेगा, बल्कि आयुष्मान भारत कार्ड के माध्यम से उसे देश के अच्छे से अच्छे स्वास्थ्य केंद्र में निशुल्क इलाज मिलेगा। उसके खर्च को केंद्र सरकार वहन करेगी। भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार कार्य कर रहे हैं। हर घर को निशुल्क विद्युत कनेक्शन तथा हर परिवार को निशुल्क उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन देने का कार्य भाजपा की सरकार ने किया है। आज देश के किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि मकर संक्रांति से 22 जनवरी तक हर गांव अयोध्या धाम, हर मंदिर राम का मंदिर है। इसलिए दीपावली की तरह दीप जलाना है। 2024 में उत्तर प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर भाजपा का परचम फहरेगा। इसका सभी लोग संकल्प लें कि अबकी बार 400 के पार सीटें मिलेंगी। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना समेत अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को उपमुख्यमंत्री ने प्रमाणपत्र भी दिया।

इस दौरान सांसद प्रवीण निषाद, विधायक अनिल त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष भाजपा जगदंबा लाल श्रीवास्तव, दीपू सिंह, हैप्पी राय, गणेश पांडेय, अरुण सिंह, शक्तिमणि त्रिपाठी, आशीष सिंह, संदीप तिवारी, इंद्रसेन सिंह, दयाराम मिश्रा, डॉक्टर दिलीप मणि त्रिपाठी, सेतभान राय, अत्र मुनि राय, दीनानाथ राय, सुभाष पांडेय, अतुल सिंह आदि मौजूद रहे।

हनुमंतलला से अनुमति लेकर ही रामजन्मभूमि जाएंगे पीएम मोदी

संवाददाता–अयोध्या। रामदुआरे तुम रखवारे होत न आज्ञा बिनु पैसारे...प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे सिद्ध करके ही 22 जनवरी को श्रीराम जन्मभूमि में प्रवेश करेंगे। मान्यता है कि अयोध्या में हनुमंतलला के रूप में विराजमान हैं, बिना उनकी अनुमति के यहां कोई शुभ काम नहीं होता है। इसी मान्यता के चलते पीएम सबसे पहले हनुमंतलला के दरबार में हाजिरी लगाएंगे उनसे अनुमति लेंगे फिर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए राम जन्मभूमि प्रस्थान करेंगे। वहीं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का अनुष्ठान 16 जनवरी से शुरु होगा। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में पीएम मोदी सबसे पहले संकल्प लेकर देश को समर्पित करेंगे, फिर रामलला का षोडशोपचार पूजन करेंगे। जो करीब 20 मिनट का होगा। षोडशोपचार पूजन व महापूजन को मिलाकर गर्भगृह में कुल पूजा का वक्त 40 मिनट का होगा। 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए 84 सेकेंड का अति सूक्ष्म मुहूर्त होगा। जो 12 बजकर 29 मिनट 8 सेकेंड से 12 बजकर 30 मिनट 32 सेकेंड होगा। पूजन के दौरान गर्भगृह में 10 से 11 लोग मौजूद रह सकते हैं। पूजन आचार्य लक्ष्मीकांत व गणेश्वर द्रविड़ के निर्देशन में होगा। वाल्मीकि रामायण में वर्णित है कि भगवान श्रीराम जब साकेत धाम जाने लगे तो उन्होंने उससे पूर्व हनुमान जी महाराज का राजतिलक किया था। हनुमान जी की अनुमति लिए बिना राम के दर्शन और पूजन का लाभ नहीं मिलता। माता सीता ने भी उन्हें अमरता का आशीर्वाद देते हुए कहा था अजर अमर गुन निधि सुत होऊ...। इसी मान्यता के चलते अयोध्या में शुभ काम के लिए बजरंगबली की अनुमति लेनी जरूरी होती है। जब 5 अगस्त 2020 को पीएम ने राममंदिर का भूमिपूजन किया था तब भी सबसे पहले वे बजरंगबली के दरबार में गए थे।

राम संग उनके गुरु का भी होगा वास, परिसर में होंगे वशिष्ठ, वाल्मीकि और विश्वामित्र–अगस्त्य के मंदिर

संवाददाता–अयोध्या। भगवान राम के साथ उनके गुरूजन भी रहेंगे। राम मंदिर परिसर में उन गुरुओं के भी मंदिर बनाए जा रहे हैं। राम जन्मभूमि परिसर में रामायण कालीन ऋषि–महर्षि भी विराजमान होंगे और रामलला पर कृपा बरसाते नजर आएंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से राम जन्मभूमि में ऐसे ऋषि–महर्षियों का मंदिर बनाने की तैयारी है, जिनका भगवान श्रीराम के जीवन पर प्रभाव रहा है। परिसर में महर्षि वशिष्ठ, वाल्मीकि, विश्वामित्र व अगस्त्य के भी मंदिर बनेंगे। भगवान राम जन–जन के हैं, सबके अपने–अपने राम हैं, इसकी झलक भी राम जन्मभूमि परिसर में भक्तों को दिखेगी। राम जन्मभूमि परिसर में रामायण काल के ऋषि–मुनियों के भी मंदिर प्रस्तावित हैं,जिनका निर्माण कार्य मंदिर के उद्घाटन के बाद शुरू हो जाएगा। इन सभी ऋषियों का राम के जीवन पर गहरा प्रभाव रहा। ऋषि वाल्मीकि ने राम की गाथा को जन–जन तक पहुंचाने का काम किया था। वाल्मीकि के मंदिर के जरिए श्रीराम के समरसता का संदेश देने की भी कोशिश है। इससे पहले 30 दिसंबर को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम भी बदलकर महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट कर दिया गया है। यही नहीं रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए पूजित अक्षत वितरण अभियान का शुभारंभ भी वाल्मीकि बस्ती से ही किया गया था।

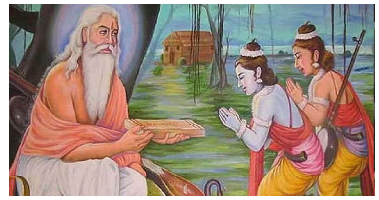

वहीं भगवान राम के कुल गुरु वशिष्ठ के काल में जितनी महत्वपूर्ण घटनाएं हुईं वे रामराज्य में सहायक बनीं। एक तरह से वे रामराज्य रूपी महल के संबल थे। राम के रूप में ईश्वर प्रगट हुए, इसका एक कारण वशिष्ठ भी थे, क्योंकि उन्होंने ही पुत्रेष्टि यज्ञ कराया था। इसी तरह महर्षि विश्वामित्र का भी श्रीराम के जीवन में गहरा प्रभाव रहा। उन्होंने भगवान श्रीराम को धनुर्विद्या और शास्त्र विद्या का ज्ञान दिया था। भगवान राम को परम योद्धा बनाने के पीछे विश्वामित्र ही थे। जबकि वनवास काल के दौरान महर्षि अगस्त्य ने श्रीराम का मार्गदर्शन किया था, उनकी कृपा श्रीराम को मिली थी।

आम व्यक्ति ही नहीं भगवान भी गुरु के प्रति समर्पित रहे। भगवान राम के जीवन में जिन चार गुरुओं का अहम प्रभाव रहा, उनका मंदिर राम जन्मभूमि परिसर में बनाए जाने की योजना है। इन गुरुओं के मार्गदर्शन में ही श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम बन पाए थे।– डॉ0 अनिल मिश्र, सदस्य, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट

ट्रकों के मंडी पहुंचने से सब्जियां हुईं सस्ती

संवाददाता–गोरखपुर। महेवा थोक मंडी में सब्जी और फलों की आवक होने से 70 फीसदी तक कारोबार सामान्य हो गया है। रास्ते में फंसी गाड़ियों के महेवा पहुंचने से स्थिति तेजी से सामान्य हो रही है। महेवा थोक मंडी में आलू 12 से 15 तो प्याज 22 से 28 रुपये प्रति किलो तक बिका। इसी के साथ दूध और ब्रेड की सप्लाई भी सामान्य हो गई है। शहर में दूध की 14 गाड़ियां पहुंचीं। इसी के साथ पेट्रोल पंपों पर सुबह टैंकर पहुंचने से गाड़ियों की कतार कम हो गई है। वहीं सीएनजी पंपों पर भी गाड़ियां पहुंची। हालांकि सीएनजी पंपों पर ऑटो की कतार देखी जा रही है। जो दो दिन की हड़ताल में खड़े थे।

137 साल बाद बदलेगी रेलवे स्टेशन की रुपरेखा, खर्च होंगे 498 करोड़

संवाददाता–गोरखपुर। 137 साल पुराने गोरखपुर रेलवे स्टेशन के नए भवन के निर्माण के लिए नोडल एजेंसी तय हो गई है। दिल्ली की यह कंपनी तीन चरणों में स्टेशन के कायाकल्प का काम पूरा कराएगी। इसके लिए कार्ययोजना मांगी गई है। पहले नया भवन बनाया जाएगा, जिसमें पुराने भवन के दफ्तरों को शिफ्ट किया जाएगा। इसके बाद प्लेटफार्म व अन्य निर्माण कार्य होंगे। तीन साल में काम को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 30 दिसंबर को अयोध्या आए केंद्रीय रेल मंत्री ने भी इसकी तैयारियों की जानकारी लेने के बाद निर्माण कार्य जल्दी पूरा कराने का निर्देश दिया है। पूर्वोत्तर रेलवे अपनी आधारभूत संरचना को मजबूत कर रहा है। इसी क्रम में गोरखपुर जंक्शन स्टेशन को भी विश्व स्तरीय बनाने के लिए पुनर्विकसित किया जा रहा है। बीते साल 7 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टेशन के पुनर्विकास कार्य का शिलान्यास किया था। स्टेशन का डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) भी तैयार है। इस स्टेशन के पुनर्विकास पर 498 करोड़ रुपये खर्च होंगे। गोरखपुर जंक्शन स्टेशन का पुनर्विकास आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जाएगा। वर्तमान में करीब 93 हजार यात्री रोजाना इस स्टेशन से आते–जाते हैं जिसके अगले 50 साल बाद बढ़कर 1,68,000 हो जाने की संभावना है।

रेलवे के जानकारों के अनुसार 15 जनवरी, 1885 को सोनपुर से मनकापुर तक मीटर गेज रेल लाइन के निर्माण के साथ ही गोरखपुर रेलवे स्टेशन अस्तित्व में आया। वर्ष 1886 में गोरखपुर से उस्का बाजार लाइन के निर्माण के साथ ही यह जंक्शन स्टेशन बन गया। वर्ष 1981 में छपरा से मल्हौर तक का आमान परिवर्तन हुआ और गोरखपुर जंक्शन बड़ी लाइन के माध्यम से देश के अन्य महानगरों से जुड़ गया। वर्ष 2004 में यहां दोहरीकरण का कार्य पूरा हुआ। यार्ड रिमॉडलिंग के साथ गोरखपुर जंक्शन स्टेशन का प्लेटफॉर्म विश्व का सबसे लंबा प्लेटफॉर्म बन गया। वर्तमान में इस स्टेशन पर कुल 10 प्लेटफॉर्म हैं। पुनर्विकास में एक प्लेटफार्म और बढ़ जाएगा। इस स्टेशन से प्रतिदिन 91 जोड़ी यात्री ट्रेनें चलाई जाती हैं।

गोरखपुर जंक्शन स्टेशन के पुनर्विकास मॉडल में स्थानीय सांस्कृतिक विरासत एवं वास्तुकला को समाहित किया गया है। नए स्टेशन भवन को सिटी सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा। वर्तमान में मुख्य स्टेशन भवन का निर्माण 5,855 वर्ग मीटर एवं द्वितीय प्रवेश द्वार का निर्माण 720 वर्ग मीटर में किया गया है। प्रस्तावित स्टेशन का निर्माण 17,900 वर्ग मीटर एवं द्वितीय प्रवेश द्वार का निर्माण 7,400 वर्ग मीटर में किया जाएगा। 10,800 वर्ग मीटर में रूफ प्लाजा बनेगा, जहां फूड आउटलेट, वेटिंग हॉल, एटीएम एवं किड्स प्ले एरिया का प्रावधान किया जाएगा। रूफ प्लाजा से प्लेटफॉर्मों तथा प्रवेश एवं निकास द्वार को 38 लिफ्ट, 22 एस्कलेटर एवं दो ट्रैवेलेटर के माध्यम से जोड़ा जाएगा। 300 वर्ग मीटर में टिकट खिड़कियां बनाई जाएंगी। स्टेशन परिसर में कंजेशन फ्री प्रवेश एवं निकास का प्रावधान किया जाएगा। दो मल्टी परपज वाणिज्यिक टॉवर बनाए जाएंगे, जिसमें मल्टी लेवल कार पार्किंग, बजट होटल, कामर्शियल शॉप इत्यादि का प्रावधान होगा। प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन एवं बस स्टेशन से स्काई वॉक–वे से लिंक किया जाएगा। कार, टू व्हीलर्स, थ्री व्हीलर्स की पार्किंग क्षमता 427 ईसीएस है, जबकि प्रस्तावित पार्किंग क्षमता 838 ईसीएस है। दोनों प्रवेश द्वार के सर्कुलेटिंग क्षेत्र में हरित पट्टी (ग्रीन बेल्ट) विकसित की जायेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश भर में 1300 रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प कर विश्वस्तरीय बनाया जा रहा है, जिसमें यूपी के 156 स्टेशन शामिल हैं। गोरखपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला प्रधानमंत्री ने रखी थी। इसका कार्य तेजी से करने के लिए एजेंसी फाइनल कर ली गई है।

पिता को आजीवन कारावास

संवाददाता–गोरखपुर। अपने लड़की की हत्या का आरोप सिद्ध पाए जाने पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तेज प्रताप तिवारी ने पीपीगंज थाना क्षेत्र के बढ़या निवासी अभियुक्त सुग्रीव साहनी को आजीवन कारावास एवं 20 हजार रूपए अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड न देने पर अभियुक्त को एक साल का कारावास अलग से भुगतना होगा। अभियोजन पक्ष की ओर से प्रभारी जिला शासकीय अधिवक्ता सौरभ श्रीवास्तव एवं सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता जयनाथ यादव का कहना था कि वादी लालजी पासवान पीपीगंज थाना क्षेत्र के बढ़या का निवासी है। वादी के गांव के ही निवासी सुग्रीव साहनी की लड़की वादी के लड़के से प्रेम करती थी और उस पर बार बार शादी करने के लिए दबाव बनाती थी। वादी का लड़का उसे यह समझाता था कि तुम अभी नाबालिग हो जब बालिग हो जाओगी तो हम शादी कर लेंगे। अभियुक्त सुग्रीव साहनी इसी बात को लेकर अपनी लड़की से नाराज रहता और धमकी देता था कि किसी दिन अपने लड़की की हत्या कर तुम लोगों को फंसा दूंगा। 28 जुलाई 2020 को पता चला कि सुग्रीव साहनी ने अपनी लड़की को घर में अकेली पाकर उसकी हत्या कर दी है। न्यायाधीश ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त को दोषी पाते हुए उक्त निर्णय दिया।

मोहित पांडेय के राम मंदिर में पुजारी बनने की चर्चा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने किया इनकार

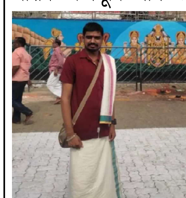

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर का काम अब अंतिम चरण पर है। 22 जनवरी को भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसी बीच खबर आई कि गाजियाबाद के रहने वाले मोहित पांडेय को राम मंदिर के पुजारी में चयन हो गया है। खबरों की मानें तो 3000 पुजारियों के आवेदन स्वीकार किए गए थे, जिनमें से 50 को चुना गया। उन्हीं में से एक नाम मोहित पांडेय का भी है।

मोहित पाण्डेय दूधेश्वर वेद विद्यापीठ के छात्र रहे हैं। मोहित के राम मंदिर में पुजारी के रूप में चयन होने की चर्चा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही थी। इसी बीच 'श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र' ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने भी मोहित पांडेय को मुख्य पुजारी बनाए जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया का क्या है, वो तो कोई भी नाम लेकर चलाते रहते हैं, किसी का नाम चला सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिसका जो मन हो नाम चला दे।

उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अभी मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास हैं। उन्होंने कहा कि 24 लोगों का चयन किया गया है। सभी पुजारी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इनमें से दो अनुसूचित जाति (एससी) व एक पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से हैं। हालांकि, उन्हें अभी 6 महीने की ट्रेनिंग दी जानी है। उसके बाद योग्यता के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।

रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के साथ ही पुजारियों से जुड़े नए प्रतिमान गढ़े जाएंगे। मंदिर के विग्रहों पर पूजन के लिए राममंदिर के महंत मिथिलेश नंदिनी शरण और महंत सत्यनारायण दास पौरोहित्य और कर्मकांड का प्रशिक्षण दे रहे हैं। हालांकि, पहली बार नहीं है, जब किसी गैर ब्राह्मण को पुजारी नियुक्त किया गया है।

ताला तोड़कर मकान में चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। गगहा थाना क्षेत्र के मिश्रौली चकसूल्तानी गांव में मकान का ताला तोड़कर चोरों ने 70 हजार नकदी और कीमती गहने चुरा लिए। पीड़ित अमरावती देवी ने पुलिस को सूचना देकर कार्रवाई की मांग की है। तहरीर देकर महिला ने बताया कि 31 दिसंबर को परिवार के सभी लोग नव वर्ष मनाने बाहर चले गए थे। तीन जनवरी को घर लौटे तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है। अलमारी का लॉक ताला तोड़कर सोने और चांदी का जेवर उठा ले गए।

कंपोजिट विद्यालय स्वींटन की सरस्वती देवी बनीं विजेता

संवाददाता–गोरखपुर। नार्मल कैंपस में बुधवार को जिला स्तरीय पाक कला प्रतियोगिता हुई। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में जिले के सभी विकास खंडों व नगर क्षेत्र से 30 रसोईया ने प्रतिभाग कर अपना हुनर दिखाया। रसोईयों ने बीएसए रमेंद्र कुमार सिंह के निर्देश पर तहरी पकाई जिसमें कंपोजिट विद्यालय स्वींटन की सरस्वती देवी विजेता बनीं। प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार कंपोजिट विद्यालय स्वींटन की किरण देवी को और तीसरा पुरस्कार प्राथमिक विद्यालय पतरा प्रथम की मैनी देवी को दिया गया। विजेताओं को प्रशघस्ति पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का संचालन जिला समन्वयक मिड–डे–मील बेसिक शिक्षा दीपक पटेल ने किया।

यूपी जोड़ो यात्रा में शामिल होने का आह्वान

संवाददाता–गोरखपुर। बड़गो स्थित कैंप कार्यालय पर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आशुतोष तिवारी अध्यक्षता में बुधवार को महानगर पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में यूपी जोड़ो यात्रा के संबंध में चर्चा हुई। महानगर अध्यक्ष आशुतोष तिवारी ने बताया गुरुवार की शाम 5 बजे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में यूपी जोड़ो यात्रा लखनऊ की सीमा में प्रवेश कर रही है। लखनऊ के विभिन्न हिस्सों में जनसंपर्क करते हुए यह यात्रा 6 जनवरी को शहीद स्मारक पहुंच कर शहीदों को नमन कर विसर्जित हो जाएगी। लोगों से अपील किया कि अपनी सुविधानुसार अधिक से अधिक संख्या में लखनऊ पहुंच कर यात्रा में शामिल हों। बैठक में प्रदेश सचिव महाराजगंज प्रभारी दिलीप निषाद, महानगर उपाध्यक्ष तसनीम अंसारी, महानगर महासचिव प्रणव उपाध्याय, राकेश मौर्य, प्रभात चतुर्वेदी, गुलाम ताहिर, एजाज हुसैन, राम बिहारी, सतीश, सद्दाम, गणेश, सैय्यदा समेत अन्य मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
मूलवाद सं0 400/2021
कम्प्यूटरीकृत वाद सं0/नि0सं0
C 202117000000400
अन्तर्गत धारा 24 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत–श्रीमानअपर आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

इब्राहिम आदि
बनाम
निर्मल देवी आदि

1. निर्मल देवी पत्नी गंगा प्रसाद निवासी मौजा भदासी तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 2. बहरैची पुत्र रामहरख साकिन महुघाट तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 3. ओंकारनाथ पाण्डेय 4. निरंकार पाण्डेय पुत्रगण रामसमुझ निवासी मौजा भदासी तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 5. बाबूराम पुत्र भरतलाल साकिन करनपुर तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 6. माता प्रसाद पुत्र रमाशंकर साकिन करनपुर तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 7. नसीर अली 8. जहीर अहमद 9. अब्बास अली पुत्रगण इसहाक अली साकिन महुघाट तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 10. सोहबत अली 11. नसरत अली 12. सोहब पुत्रगण नाजिर साकिन महुघाट तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 13. अजीत पुत्र बेचन 14. मजीहन पत्नी बेचन साकिन महुघाट तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 15. ग्राम पंचायत महुघाट जरिये अध्यक्ष भू0प्र0स0

तारीख पेशी 30–01–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 30 महीना 01 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 28 माह 12 सन 2023 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं. 113/2023
जितेन्द्र कुमार चौधरी –सायलान
1. जितेन्द्र कुमार चौधरी उम्र करीब 32 साल 2. वीरेन्द्र कुमार उम्र करीब 34 साल 3. रामजीत चौधरी उम्र करीब 31 साल 4. सुनील कुमार चौधरी उम्र करीब 28 साल पुगत्रण बुद्धिराम साकिनान मौजा धवाय तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–01–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 16–01–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 94/2022

दयाराम
बनाम
श्रीराम आदि

1/1 श्रीमती सुदामा पत्नी स्व0 श्रीराम 2. रवि उर्फ सोनू पुत्र श्रीराम निवासी ग्राम बांसगांव (अजगरा) तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 05–02–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 05 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान द्वादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 149/10

रामबृक्ष
बनाम
प्रेमलता सिंह

1. राघवेन्द्र प्रताप सिंह 2. कमलेन्द्र प्रताप सिंह पुत्रगण महेश प्रताप सिंह साकिन गांवचौरा तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 22–01–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 22 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान द्वादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 187/98

गंगाराम
बनाम
नन्दन

1/7 चांद उम्र लगभग 16 साल पुत्र स्व0 नेबूलाल नावालिग वली माता श्रीमती कमलेश साकिन डारीडीहा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 23–01–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0 35/2023
अदालत–श्रीमान जनपद न्यायाधीश महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सरोज पाल
बनाम
रविन्द्र सिंह आदि

1. रविन्दर सिंह उम्र करीब 46 वर्ष 2. वीरेन्द्र कुमार सिंह उम्र करीब 43 वर्ष पुत्रगण अम्बिका सिंह निवासीगण मौजा महसो खास तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
–विपक्षी/प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
3. श्रीमती आशा पाल उम्र करीब 59 वर्ष पत्नी अवधराज सिंह 4. अवधराज सिंह उम्र करीब 61 वर्ष पुत्र मुन्ना सिंह निवासीगण मौजा रूपगढ़ तप्पा रूपगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
–विपक्षी/प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 20–01–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 20 महीना 01 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 03 माह 01 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com